

हिंदी दैनिक
गरीब दर्शन
सच की उड़ान
बिहार
वर्षः 05, पृष्ठ : 8 | अंक : 201
मूल्यः रू. 02.00
मोतिहारी, 20 नवंबर, शुक्रवार 2026
www.garibdarshan.com | facebook.com/garibdarshan
email Id: newsgaribdarshan@gmail.com

उद्योग विभाग की ओर से आयोजित राज्य-स्तरीय कार्यशाला 'लेवरेजिंग एफटीएज-आउटरीच प्रोग्राम' में बोले सीएम

ग्लोबल मार्केट में छाएगा बिहार का मखाना और लीची: सम्राट

गरीब दर्शन/ पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य बिहार को देश का सबसे तेज औद्योगीकरण करने वाला राज्य बनाना है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक सीधी पहुंच बनाकर प्रदेश को निर्यात का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा। गुरुवार को राजधानी पटना के होटल ताज सिटी सेंटर में उद्योग विभाग द्वारा आयोजित राज्य-स्तरीय कार्यशाला 'लेवरेजिंग एफटीएज-आउटरीच प्रोग्राम' का उद्घाटन करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने एफटीए कार्ययोजना, निर्यातक पुस्तिका और एफएक्यू पुस्तिका का विमोचन किया। उनकी उपस्थिति में बिहार राज्य विपणन प्राधिकरण व आईआईएम बोधगया तथा गुड्स कैपिटल एवं एमएसएमई के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गए।



सस्ता होगा जल परिवहन, बनेंगे दो बड़े एयरपोर्टः मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 20 वर्षों से बिहार की अर्थव्यवस्था दोहरे अंकों में विकास कर रही है और राज्य का बजट छह हजार करोड़ से बढ़कर तीन लाख 47 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। अब बुनियादी ढांचे के बाद औद्योगिक विकास पर जोर है। व्यापारिक लागत कम करने के लिए गंगा सहित अन्य नदियों में जल परिवहन विकसित किया जाएगा, जिसकी शुरुआत वीरपुर और वाल्मीकिनगर से करने की योजना है। इसके अलावा रक्सौल से हल्दिया तक ग्रीनफील्ड सड़क बनेगी, जो सात-आठ जिलों को जोड़ेगी। अंतरराष्ट्रीय संपर्क बढ़ाने के लिए सोनपुर और भागलपुर के आसपास दो बड़े एयरपोर्ट विकसित करने के साथ-साथ वाल्मीकिनगर, बेगूसराय, रक्सौल, मुजफ्फरपुर, सहरसा, गोपालगंज, फारबिसगंज व किशनगंज में भी हवाई अड्डों का विकास किया जा रहा है।

मखाना, लीची और मक्का की होगी वैश्विक ब्रांडिंगः सम्राट ने कहा कि देश के कुल मखाना उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी करीब 80 प्रतिशत है और हाल ही में 40 टन मखाना ऑस्ट्रेलिया भेजा गया है। मखाना के साथ लीची और एथनाल उत्पादन में काम आने वाले मक्का की बेहतर पैकेजिंग व ब्रांडिंग कर वैश्विक बाजार में उतारा जाएगा। उन्होंने 31 देशों में मौजूद बिहार चैप्टर के सहयोग से मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का लाभ उठाने पर बल दिया। साथ ही, सभी जिलाधिकारियों व पुलिस अधीक्षकों को हर महीने उद्यमियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने और 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' को बढ़ावा देने का निर्देश दिया।

12 सैटेलाइट टाउनशिप और ड्राई पोर्ट से बढ़ेगी सुविधाः मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में ड्राई पोर्ट की संख्या बढ़ाने के लिए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से आग्रह किया गया है। उद्योगों को बेहतर लाजिस्टिक सुविधा देने के लिए प्रदेश में 12 सैटेलाइट टाउनशिप विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने उद्योग जगत से एक प्रभावी सिंगल विंडो व्यवस्था विकसित करने का भी आग्रह किया, ताकि उद्यमियों को एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं मिल सकें।समारोह को उद्योग व खेल मंत्री श्रेयसी सिंह, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के महानिदेशक लव अग्रवाल और उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर कृषि विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, केंद्रीय वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव अमित कुमार, एमएसएमई निदेशक अमन समीर, बीआइए अध्यक्ष रामलाल खेतान और आइआइएम बोधगया की निदेशक विनीता सहाय सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

छपरा मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा सेवा की शपथ के साथ शुरू हुआ 50 भावी डॉक्टरों का सफर

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार बोले- डॉक्टर का सफेद एप्रन केवल पहचान नहीं, मानवता की सेवा और संवेदनशीलता का संकल्प है

गरीब दर्शन/पटना



चिकित्सा का पेशा केवल डिग्री हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प भी है। मरीज के चेहरे पर मुस्कान लौटाना और जरूरतमंदों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना ही एक चिकित्सक की असली पहचान है। यह संदेश गुरुवार को छपरा स्थित राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में आयोजित ओरिएंटेशन एवं व्हाइट कोट समारोह में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को दिया। कॉलेज में एमबीबीएस के प्रथम बैच के विद्यार्थियों के लिए आयोजित समारोह में स्वास्थ्य मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को सफेद एप्रन पहनाकर चिकित्सा शिक्षा के नए सफर की शुरुआत कराई और सेवा की शपथ दिलाई। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि छपरा मेडिकल कॉलेज में 50 एमबीबीएस सीटों पर नामांकन की अनुमति मिलना बिहार में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सफेद एप्रन केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों का प्रतीक है। चिकित्सकों को मरीजों को महज एक केस के रूप में नहीं, बल्कि एक इंसान के रूप में देखना चाहिए। गरीब, जरूरतमंद और वंचित लोगों को उपचार में प्राथमिकता देना चिकित्सा पेशे की मूल भावना है। उन्होंने भावी चिकित्सकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, चिकित्सा अनुसंधान और आधुनिक तकनीकों से जुड़कर अपने ज्ञान एवं कौशल को लगातार विकसित करने की सलाह दी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पिछले दो दशकों में बिहार में स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत करने, नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने और ग्रामीण इलाकों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में काम हुआ है। अब सात निश्चय-3 के तहत 'सुलभ स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन' के लक्ष्य को पूरा करना सरकार की प्राथमिकता है। अस्पतालों में बेहतर आधारभूत संरचना, पर्याप्त चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी, जरूरी दवाएं, आधुनिक उपकरण और जांच सुविधाएं उपलब्ध कराकर मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण इलाज देना लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि बिहार के किसी भी व्यक्ति को इलाज के लिए राज्य से बाहर नहीं जाना पड़े। चिकित्सकों की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना भी विभाग की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य सचिव कुमार रवि ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को चिकित्सा सेवा की शपथ को अपने आचरण में उतारने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2013 के बाद बिहार में छह नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं, जबकि 12 मेडिकल कॉलेजों के भवन निर्माण का कार्य चल रहा है। राज्य के मेडिकल कॉलेजों में 1,846 चिकित्सा शिक्षकों की नियुक्ति के लिए बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) को अधियाचना भेजी गई है। इसमें छपरा मेडिकल कॉलेज के लिए 74 चिकित्सा शिक्षकों के पद भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के साथ योग्य शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी जरूरी है। समारोह का शुभारंभ अतिथियों के सम्मान और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. (प्रो.) सीपी जायसवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। स्वास्थ्य मंत्री के साथ मांझी विधायक रणधीर कुमार सिंह, स्वास्थ्य सचिव कुमार रवि, बीएमएसआईसीएल के प्रबंध निदेशक सुब्रत कुमार सेन, सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव, स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव कौशलेन्द्र कुमार, डीन डॉ. (प्रो.) दीपक कुमार सहित अन्य अधिकारी और चिकित्सा शिक्षक मौजूद रहे। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने चिकित्सा सेवा के प्रति समर्पण, नैतिकता और मानवीय संवेदनाओं के साथ कर्तव्यों के निर्वहन की शपथ ली। डीन डॉ. दीपक कुमार के धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बिहार में दवा दुकानों पर औषधि विभाग की छापेमारी, 34 ठिकानों पर जांच में 17 से अधिक जगह मिली गड़बड़ी

गरीब दर्शन/पटना

राज्य में दवाओं की अवैध बिक्री और नियमों के उल्लंघन पर रोक लगाने के लिए औषधि नियंत्रण विभाग ने गुरुवार को व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान 18 जिलों में 34 स्थानों पर दवा दुकानों की जांच की गई। प्रारंभिक जांच में 17 से अधिक प्रतिष्ठानों में अनियमितताएं सामने आईं। बिना वैध लाइसेंस संचालित एक दुकान में दवाओं को सील कर दिया गया है। संबंधित दुकानदार के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई शुरू की गई है। यह अभियान पटना, मधेपुरा, पूर्णिया, भोजपुर, वैशाली, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, दरभंगा, सुपौल, सारण, औरंगाबाद, भागलपुर, गयाजी, बक्सर, कटिहार, कैमूर, मधुबनी और मुंगेर में चलाया गया। पटना के जीएम रोड स्थित सागर मेडिको, मुरली फार्मा और पॉपुलर में विशेष जांच की गई। सागर मेडिको से चार आयुर्वेदिक दवाओं के नमूने लिए गए हैं। इनकी जांच से पता लगाया जाएगा कि उनमें एलोपैथिक औषधीय तत्वों का मिश्रण तो नहीं है। मुरली फार्मा में दवाओं की खरीद-बिक्री और रिकॉर्ड संधारण में कई खामियां मिलीं। टीबी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली तीन दवाओं और एनआरएक्स श्रेणी की एक दवा की बिक्री का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया। दो अन्य दवाओं की खरीद से संबंधित दस्तावेज भी नहीं मिले। प्रतिष्ठान में शेड्यूल एच-1 का अनिवार्य रजिस्टर भी नहीं था। यहां एजिथ्राल-500 की एक स्ट्रिप संदिग्ध मिली, जिसका क्यूआर कोड स्कैन नहीं हो रहा था। इसे निर्माता कंपनी से सत्यापन के लिए भेजा गया है। वहीं, पॉपुलर से पांच दवाएं प्रामाणिकता की जांच के लिए संबंधित कंपनियों को भेजी गई हैं। प्रारंभिक जांच में कंपनी ने इन्हें अपना उत्पाद होने पर संदेह जताया है। तस्वीरों के मिलान में भी अंतर पाया गया है। भोजपुर के पीरो स्थित रंजन मेडिकल एजेंसी में नारकोटिक श्रेणी की दवा मिलने पर जांच शुरू की गई है। छपरा की एक दुकान में भी संदिग्ध निर्माण अनुमति और लेबलिंग वाली दवाएं मिली हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना लाइसेंस दवा बिक्री, अवैध निर्माण, सरकारी दवाओं के दुरुपयोग और खरीद-बिक्री का रिकॉर्ड नहीं रखने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बिना लाइसेंस संचालित दुकान में दवाएं सील, पटना में संदिग्ध दवाओं की प्रामाणिकता की हो रही जांच





पीडीए रथ यात्रा के दौरान जेसीबी की टक्कर से छात्र की मौत, 60 लोगों पर एफआईआर



गरीब दर्शन/गोरखपुर

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पीडीए रथ यात्रा के दौरान बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में 14 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। कूड़ाघाट इलाके में यात्रा के दौरान फूल बरसाने में लगी तेज रफ्तार जेसीबी ने छात्र को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद छात्र सड़क के डिवाइडर से जा टकराया। सिर में गंभीर चोट लगने से उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद परिजनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। मृतक की पहचान आर्यवर्धन सिंह श्रीनेत के रूप में हुई है। वह केंद्रीय विद्यालय में कक्षा 10 का छात्र था और स्थानीय भाजपा नेता ओंकार सिंह श्रीनेत का बेटा था। पिता के अनुसार, आर्यवर्धन अपनी बहन को लेने जा रहा था। इसी दौरान अखिलेश यादव का काफिला आगे निकलने के बाद फूल बरसाने वाली जेसीबी तेज रफ्तार से वहां पहुंची और उसे पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद परिजनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की। गुरुवार को गोरखपुर एम्स थाना पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की। एफआईआर में आयोजन समिति से जुड़े छह नामजद आरोपियों के अलावा 50 से 60 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। नामजद आरोपियों में साधू यादव, मनोज यादव, मृत्युंजय यादव, योगेश यादव और चंद्र प्रकाश सहित अन्य शामिल हैं। पुलिस ने हादसे में शामिल जेसीबी को जब्त कर लिया है। मामले की जांच जारी है। इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतक के परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। हादसे ने राजनीतिक आयोजनों के दौरान सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।





संक्षिप्त समाचार

जौहरी बाजार में घर से आभूषण, 4.75 लाख नकद, लैपटाप और मोबाइल की चोरी

गरीब दर्शन/हाजीपुर

स्थानीय नगर थाना क्षेत्र के जौहरी बाजार पुल रोड स्थित एक किराये के मकान से चोरों ने अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर, 4.75 लाख रुपये नकद, लैपटाप, टैब, मोबाइल और अन्य कीमती सामान की चोरी कर ली। घटना के समय मकान में रहने वाला परिवार श्राद्धकर्म के लिए अपने गांव गया हुआ था। इस संबंध में बिदुपुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर निवासी स्वर्गीय धर्मलाल सिंह के पुत्र जगदीश प्रसाद सिंह ने नगर थाने में लिखित शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि वह संतोष कुमार के जौहरी बाजार पुल रोड स्थित मकान में पिछले करीब आठ वर्षों से किराये पर रह रहे हैं। मां के निधन के बाद वह सपरिवार श्राद्धकर्म के लिए गांव गए थे। आरोप है कि गुरुवार की सुबह करीब सात बजे जब वह लौटे तो कमरे का दरवाजा टूटा मिला। अंदर जाने पर सामान बिखरा पड़ा था और अलमीरा खुली हुई थी। जांच करने पर अलमीरा में रखे तीन सोने की चेन, कान के झुमके के तीन सेट, तीन अंगूठियां और एक मंगलसूत्र गायब मिले। इसके अलावा चांदी की पांच जोड़ी पायल, 16 सिक्के, छह चांदी की राखियां, करीब 4.75 लाख रुपये नकद, लैपटाप, टैब, मोबाइल और कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी चोरी हो गए थे। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने डायल 112 पर फोन किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और उन्हें नगर थाने में आवेदन देने को कहा। पीड़ित ने थानाध्यक्ष से प्राथमिकी दर्ज कर चोरी गए सामान की बरामदगी कराने की मांग की है।

बेतिया में सोना-हीरा लूटकांड में महनार से दो संदिग्धों को पुलिस ने उठाया

गरीब दर्शन/हाजीपुर

बेतिया में 35 करोड़ के सोना और हीरा लूटकांड में बिहार एसटीएफ टीम ने महनार थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए हसनपुर उतरी दो संदिग्ध को हिरासत में लिया है। बुधवार की रात हुई इस कार्रवाई में महनार थाना की पुलिस के साथ बिहार एसटीएफ टीम हसनपुर उतरी पासवान टोले से दो संदिग्ध को हिरासत में लेकर अपने साथ ले गई है। मालूम हो कि बेतिया में मंगलवार को सुप्रिया रोड स्थित सेनको गोल्ड एंड डायमंड शोरूम में हुई करोड़ों के सोने-हीरे के आभूषण और नकदी लूटकांड के मामले में वैशाली और समस्तीपुर जिले के बदमाशों के शामिल होने का शक है। इणे लेकर दोनों स्थानों से चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। हालांकि, एसटीएफ की इस कार्रवाई का स्थानीय पुलिस पुष्टि नही कर रही है।

दुकान के पीछे का दरवाजा काटकर लाखों के आभूषण और नकदी रूपयों की चोरी

गरीब दर्शन/हाजीपुर/जंदाहा

महीसौर थाना के चांद सराय हाट चौक स्थित एक आभूषण दुकान का पीछे का दरवाजा काटकर रात्रि में तिजोरी का ताला तोड़कर लाखों रुपए के सोने चांदी का जेवरात एवं 18000 रुपए नगद अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में चांद सराय निवासी संजय पोद्दार ने अज्ञात चोर के विरुद्ध महिसौर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया गया है कि चांद सराय हाट चौक पर सोनी ज्वेलर्स नामक उनकी आभूषण दुकान है। बताया गया है कि बीते 12 नवंबर के सुबह करीब 8 बजे जब वह प्रतिदिन की भांति अपने आभूषण दुकान का ग्रिल शटर खोला तो देखा कि दुकान के पीछे का दरवाजा काटकर दुकान के अंदर प्रवेश कर अज्ञात चोर द्वारा दुकान का तिजोरी का ताला तोड़कर डेढ़ किलो चांदी का जेवर जिसकी कीमत करीब 300000 एवं 12 ग्राम सोने का जेवर जिसकी कीमत करीब 180000 रुपए एवं 18000 रुपया नगद चोरी कर ली गई। पुलिस मामले के अनुसंधान में लगी है।

रिश्तेदार के यहां आई नाबालिग युवती के अपहरण का आरोप, मां ने दर्ज करायी प्राथमिकी

गरीब दर्शन/हाजीपुर/जंदाहा

महिसौर थाना क्षेत्र के एक गांव स्थित अपने रिश्तेदार के घर आई एक नाबालिक लड़की को गांव स्थित चौक के पास से अपहरण कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में समस्तीपुर जिला के उजियारपुर थाना क्षेत्र निवासी अगवा गई युवती की मां ने समस्तीपुर जिला के उजियारपुर थाना के महथी वार्ड संख्या 12 निवासी रामनरेश पासवान के पुत्र समोहन पासवान एवं उनके स्वजनों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया गया है कि बीते 11 नवंबर को वह महिसौर थाना क्षेत्र के सकरौली गांव में अपने रिश्तेदार के घर अपनी 17 वर्षीय पुत्री के साथ आए थे। बताया गया है कि शाम करीब 4 बजे उनकी नाबालिक पुत्री गांव स्थित चौक पर गई थी। जो देर रात्रि तक वापस नहीं आई। अपने स्तर से खोजबीन किया जिसके दौरान जानकारी मिली कि आरोपी समोहन पासवान उनकी पुत्री को बहला फुसलाकर गलत नीयत से जबरन अपहरण कर कहीं ले गया है। बताया गया है कि जब इसकी शिकायत आरोपी के पिता रामनरेश पासवान के पास करने गया तो उनके परिवार के चंद्रकला देवी, सुकेश पासवान, मुकेश पासवान एवं अन्य महिला पुरुष सदस्यों द्वारा गाली गलौज करते मारपीट करने पर उतारू हो गए। हल्ला होने पर स्थानीय लोगों को जुटने पर सभी आरोपी शांत हुए। वही मुकदमा करने पर जान मारने की धमकी दिया। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि उपरोक्त सभी आरोपी एक साजिश रच कर उनकी नाबालिक पुत्री को अपहरण कर गायब कर दिया है। बताया गया है कि उनकी नाबालिक पुत्री के साथ आरोपियों द्वारा किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित की जा सकती है। पुलिस मामले के अनुसंधान में लगी है।

पुलिस टीम के साथ दुर्व्यवहार मामले में दो बहनों के साथ भाई को किया गिरफ्तार

गरीब दर्शन/हाजीपुर

बिदुपुर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गोखुला गांव में सूचना पर गई डायल 112 पुलिस टीम के साथ दुर्व्यवहार, सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने, सरकारी कर्तव्य के निर्वहन के दौरान गाली-गलौज करने तथा सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में पुलिस ने दो बहनों एवं उसके एक भाई को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तीनों को गुरुवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से तीनों को जेल भेज दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार बिदुपुर थाने में डायल 112 टीम में कार्यरत महिला सिपाही सुरुचि कुमारी अपने सहयोगी सिपाही आशीष कुमार के साथ प्राप्त सूचना पर गोविंदपुर गोखुला गांव गई थी। जहां प्राप्त सूचना की जांच कर रही थी। इसी दौरान इस गांव के संजय सिंह, उसकी पत्नी मिंता देवी, उसके पुत्र मुन्ना कुमार, उसकी पुत्री शैलू प्रिया, गुनांजन कुमारी और रुपम कुमारी वहां आई। वहां लोगों ने डायल 112 टीम के दोनों सिपाहियों का पकड़ लिया और दरवाजे पर आने का विरोध करने लगी। इस दौरान टीम सदस्य दोनों पक्षों को समझा रहे थे। इसी बीच संजय सिंह ने सिपाही आशीष कुमार पर हंसुली से वार कर दिया और सिपाही आशीष कुमार इस घटना का वीडियो बनाने लगा तो इन लोगों ने उसकी मोबाइल छीन ली। इस दौरान संजय सिंह ने महिला सिपाही के साथ गाली-गलौज एवं दुर्व्यवहार करते हुए वर्दी का बटन तोड़ दिया। इतना ही नहीं शैलू प्रिया, गुनांजन कुमारी और रुपम कुमारी ने मिलकर पुलिस टीम के दोनों सदस्यों के साथ मारपीट कर सिपाही आशीष कुमार के पैकेट से आई कार्ड निकाल लिया और सरकारी टैब एवं मोबाइल छीन कर पटक दिया। जिससे टैब बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद पुलिस ने शैलू प्रिया, गुनांजन कुमारी और मुन्ना कुमार को पकड़ कर थाने में लाई। इस घटना को लेकर डायल 112 की महिला सिपाही सुरुचि कुमारी ने प्राथमिकी कराई है।

प्रधानमंत्री के वैशाली दौरे को लेकर प्रशासन की व्यापक तैयारी, 14 पार्किंग स्थल चिह्नित

गरीब दर्शन/हाजीपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 21 नवंबर को प्रस्तावित वैशाली दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी वर्षा सिंह के नेतृत्व में लाखों लोगों की संभावित भीड़ को देखते हुए सभा स्थल, यातायात, पार्किंग, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सुरक्षा की विस्तृत व्यवस्था की गई है। प्रशासन का प्रयास है कि कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो और पूरा आयोजन सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो। प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास प्रस्तावित है। इनमें जंदाहा-राजापाकर-महुआ औद्योगिक क्षेत्र का शिलान्यास और नीतीश सेतु का उद्घाटन प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन परियोजनाओं को क्षेत्र के विकास और आधारभूत संरचना के विस्तार की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्य कार्यक्रम स्थल जाफरपट्टी पंचायत स्थित जंदाहा-राजापाकर-महुआ औद्योगिक क्षेत्र में करीब 20 लाख वर्गफीट में विशाल सभा स्थल तैयार किया गया है। यहां भव्य मंच बनाया गया है। सभा स्थल के विभिन्न हिस्सों में कार्यक्रम का सीधा दृश्य उपलब्ध कराने के लिए 60 एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं। इससे दूर बैठे लोग भी मंच पर होने वाले कार्यक्रम को आसानी से देख सकेंगे।

लाखों लोगों की मौजूदगी को ध्यान में रखते हुए पेयजल और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रशासन ने 32 पेयजल टैंक, 17 बोरिंग और 180 रनिंग वाटर टैप की व्यवस्था की है। इसके अलावा दर्शकों के बैठने वाले स्थानों पर 140 वाटर डिस्पेंसर लगाए जाएंगे। लोगों की सुविधा के लिए कुल 540 शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें 300 शौचालय मुख्य सभा स्थल पर होंगे, जिनमें 150 पुरुषों और 150 महिलाओं के लिए निर्धारित हैं। शेष 240 शौचालय



पार्किंग और अन्य स्थानों पर बनाए गए हैं। स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए कार्यक्रम स्थल और आसपास के महत्वपूर्ण स्थानों पर 27 मेडिकल कैंप स्थापित किए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए 25 एंबुलेंस तैनात रहेंगी। सुरक्षा जांच के लिए प्रवेश द्वारों पर 100 डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं। वहीं, आगजनी जैसी घटनाओं से निपटने के लिए 30 अग्निशमन वाहनों की तैनाती की गई है। यातायात बाधित होने की स्थिति से निपटने के लिए 25 क्रेन की व्यवस्था भी की गई है। दुर्घटनाग्रस्त या खराब वाहनों को तत्काल हटाकर रास्ता सुचारू किया जाएगा। विभिन्न जिलों से आने वाले वाहनों के ठहराव के लिए 14 पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक पार्किंग जोन में फूड कोर्ट, मेडिकल कैंप और कंट्रोल रूम की सुविधा उपलब्ध रहेगी, ताकि दूर-दराज से आने वाले लोगों को भोजन, स्वास्थ्य सेवा और आवश्यक सहायता मिल सके।

वाहनों के सुगम परिचालन के लिए जिला प्रशासन ने जिलावार रूट चार्ट जारी किया है। पटना और जहानाबाद से आने वाले वाहनों को गांधी सेतु, पासवान चौक अंडरपास, एनएच-322, हनुमान चौक, बिदुपुर और चकसिकंदर होते हुए बनारसी चौक पहुंचना होगा। इनके लिए पार्किंग एरिया एफ निर्धारित है। पटना और नालंदा से आने वाले वाहन कच्ची दरगाह सिक्स लेन पुल से बनारसी चौक पहुंचेंगे। पटना और सारण से आने वाले वाहनों के लिए जेपी सेतु अथवा गंडक पुल, रामाशीष चौक, महुआ मोड़, महुआ-ताजपुर रोड, हनुमान होटल, बाईपास, हरपुर चौक होते हुए बहसी चौक तक का मार्ग तय किया गया है। मुजफ्फरपुर से आने वाले वाहनों के लिए एनएच-22 और कांटी-महुआ बाजार मार्ग के दो विकल्प दिए गए हैं। वहीं समस्तीपुर से आने वाले वाहनों के लिए ताजपुर-महुआ रोड तथा मुसरीघरारी-सरायरंजन-शाहपुर पटोरी मार्ग निर्धारित किया गया है। इन जिलों से आने वाले वाहनों को पार्किंग एरिया ई में ठहराया जाएगा। प्रशासन के अनुसार 21 नवंबर को दोपहर 12 बजे से बनारसी चौक पर यातायात प्रतिबंध लागू रहेगा। वाहन चालकों से निर्धारित मार्ग और पार्किंग व्यवस्था का पालन करने की अपील की गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री का दोपहर 1:20 बजे वैशाली जिले के रुस्तमपुर में आगमन प्रस्तावित है। इसके बाद वे जाफरपट्टी स्थित मुख्य कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे। अपराह्न 3:15 बजे उनके जाफरपट्टी से प्रस्थान का कार्यक्रम निर्धारित है। जिलाधिकारी वर्षा सिंह तैयारियों की लगातार समीक्षा कर रही हैं। सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता, अग्निशमन, विद्युत और पार्किंग से जुड़े विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन की प्राथमिकता भीड़ का सुरक्षित आवागमन, प्रवेश और निकास की सुचारू व्यवस्था तथा आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराना है।

इंटरमीडिएट की सेंट-अप परीक्षा शुरू, बोर्ड परीक्षा जैसा दिखा माहौल

गरीब दर्शन/हाजीपुर

इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2027 में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए सेंट-अप परीक्षा गुरुवार से जिले में शुरू हो गई। पहले दिन हाजीपुर शहर समेत सभी प्लस टू विद्यालयों में परीक्षा शांतिपूर्ण रही। यह परीक्षा 28 नवंबर तक दो पालियों में चलेगी। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2027 के लिए सेंट-अप परीक्षा गुरुवार से जिले भर में बोर्ड के निर्देशानुसार में शुरू हो गई। पहले दिन शहर के राज संपोषित बालिका उच्च विद्यालय, जीए इंटर स्कूल, टाउन हाई स्कूल, सहयोगी उच्च विद्यालय और एसएमएस उच्च विद्यालय दिग्घी सहित सभी प्लस टू विद्यालयों में परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह के देखा गया। सेंट-अप परीक्षा 28 नवंबर तक दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक चलेगी। पहले दिन पहली पाली में विज्ञान संकाय में भौतिकी, कला संकाय में दर्शनशास्त्र और वाणिज्य संकाय में उद्यमिता की परीक्षा हुई। दूसरी पाली में राजनीति विज्ञान, लेखाशास्त्र और रसायन विज्ञान की परीक्षा ली गई। नियमित, स्वतंत्र और पूर्ववर्ती कोटि के विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा का संचालन पूरी तरह बोर्ड परीक्षा की तर्ज पर किया जा रहा है। परीक्षा शुरू होने से पहले विद्यार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने और समझने के लिए 15 मिनट का कूल-ऑफ टाइम दिया गया। केंद्रों पर शिक्षकों की सख्त निगरानी रही। विद्यालय प्रशासन ने बैठने की व्यवस्था, पेयजल और शांत वातावरण के लिए पहले से तैयारी कर रखी थी। एसएस गर्ल्स उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक गोपाल कृष्ण ने बताया कि सेंट-अप परीक्षा विद्यार्थियों के लिए एक तरह का ट्रायल है। इससे उन्हें बोर्ड परीक्षा के पैटर्न, समय प्रबंधन और प्रश्नों के स्तर को समझने का मौका मिलेगा। शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को घबराने के बजाय शांत मन से उत्तर लिखने की सलाह दी। बिहार बोर्ड के नियम के अनुसार सेंट-अप परीक्षा में पास होना अनिवार्य है। जो विद्यार्थी इस परीक्षा में अनुपस्थित रहेगा या फेल होगा, उसे वार्षिक परीक्षा का एडमिट कार्ड नहीं मिलेगा। इसलिए विद्यार्थी इस परीक्षा को हल्के में न लें।

कौमी एकता दिवस पर देवचंद महाविद्यालय में संगोष्ठी आयोजित

गरीब दर्शन/हाजीपुर



देवचंद महाविद्यालय, हाजीपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस) इकाई के तत्वावधान में गुरुवार, 19 नवंबर 2026 को राजमती सभागार में कौमी एकता दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता, सामाजिक सद्भाव, आपसी भाईचारे, सहिष्णुता एवं सांस्कृतिक विविधता के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एकता भारत की सबसे बड़ी शक्ति और पहचान है। भारत विभिन्न धर्मों, भाषाओं, जातियों, संस्कृतियों एवं परंपराओं का देश है, लेकिन इन विविधताओं के बावजूद एकता की भावना ही राष्ट्र को मजबूत बनाती है। प्रो. आतिफ रब्बानी ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत की विविधता ही उसकी खूबसूरती और सांस्कृतिक समृद्धि का आधार है। विभिन्न धर्मों, समुदायों एवं संस्कृतियों के लोगों के बीच आपसी सम्मान, विश्वास और सहयोग बनाए रखना कौमी एकता की वास्तविक पहचान है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रकाश कुमार ने कहा कि कौमी एकता केवल भाषणों, नारों अथवा समारोहों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे हमारे व्यवहार, विचारों और सामाजिक कार्यों में प्रतिबिंबित होना चाहिए। डॉ रिंकू कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता किसी भी राष्ट्र के विकास, शांति और स्थायित्व के लिए अनिवार्य है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप, आरटीआई के तहत मांगी गई जानकारी नहीं मिलने पर अपर समाहर्ता ने बीडीओ को किया तलब

गरीब दर्शन/ सहरसा



- 25 नवंबर को साक्ष्य के साथ उपस्थित होकर जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश

सौरबाजार प्रखंड क्षेत्र के रौताखेम पंचायत स्थित इन्दरवा गांव में पंचायत समिति मद से 15वीं वित्त योजना के तहत कराए गए सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई है। इस मामले में पूर्व मुखिया अमरेंद्र यादव ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी मांगी थी लेकिन लंबे समय बाद भी सूचना उपलब्ध नहीं कराए जाने पर मामला अब अपर समाहर्ता कार्यालय तक पहुंच गया है।मिली जानकारी के अनुसार, इन्दरवा गांव में पंचायत समिति की अनुशंसा पर 15वीं वित्त योजना संख्या 20/2024-25 के तहत पोखर गाछ से गुनेश्वर यादव के घर तक मिट्टी भराई, सोलिंग, नाला निर्माण एवं पीसीसी ढलाई का कार्य कराया गया है। पूर्व मुखिया ने आरोप लगाया है कि योजना के प्राक्कलन यानी एस्टीमेट के अनुरूप कार्यस्थल पर काम नहीं कराया गया है। इसी को लेकर उन्होंने योजना की वास्तविक स्थिति और खर्च का ब्योरा जानने के लिए आरटीआई के माध्यम से आवेदन दिया था।पूर्व मुखिया ने योजना की कुल स्वीकृत राशि, निर्माण कार्य पूरा करने की निर्धारित अवधि, योजना में लगाए गए मजदूरों की सूची एवं उन्हें किए गए मजदूरी भुगतान का विवरण मांगा है। इसके अलावा निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री कहां से खरीदी गई तथा संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को कितनी राशि का भुगतान किया गया, इसकी जानकारी भी मांगी गई है।बताया जाता है कि प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा निर्धारित समय तक सूचना उपलब्ध नहीं कराए जाने के बाद पूर्व मुखिया ने अपर समाहर्ता, सहरसा के माध्यम से मामले में कार्रवाई की मांग की।अपर समाहर्ता कार्यालय की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि सौरबाजार प्रखंड विकास पदाधिकारी से बार-बार जानकारी मांगे जाने के बावजूद अब तक सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस संबंध में 25 नवंबर को संबंधित साक्ष्य के साथ स्वयं उपस्थित होकर मामले की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। अब देखना यह है कि निर्धारित तिथि पर मामले में क्या जानकारी सामने आती है और सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं खर्च को लेकर उठाए गए सवालों पर संबंधित विभाग क्या जवाब देता है।

भगवान का अन्नाधिवास, जलाधिवास, पुष्पाधिवास ,एवं शय्याधिवास संपन्न, भक्तिमय हुआ वातावरण

गरीब दर्शन/हाजीपुर



भगवानपुर प्रखंड के सहथा गांव में श्री श्री 1008 हनुमत प्राण प्रतिष्ठा सह शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के दूसरे दिन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए।इस अवसर पर भगवान का विधि-विधानपूर्वक अन्नाधिवास, जलाधिवास ,पुष्पाधिवास एवं शय्याधिवास कराया गया। वैदिक परंपरा के अनुसार आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रों एवं शास्त्रोक्त विधियों से पूजन-अर्चन संपन्न कराया गया। भगवान को अन्न, पवित्र जल एवं सुगंधित पुष्पों से अभिषेक कराकर दिव्य श्रृंगार किया गया। इसके पश्चात शय्याधिवास की धार्मिक परंपरा निभाई गई। संपूर्ण यज्ञ स्थल भक्ति, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा। इस धार्मिक अनुष्ठान का संचालन आचार्य रौशन उपाध्याय (काशी) के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव केवल मूर्ति स्थापना का अनुष्ठान नहीं, बल्कि श्रद्धा, भक्ति एवं वैदिक संस्कृति के माध्यम से ईश्वरीय चेतना के आवाहन का पावन अवसर है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में धर्म, संस्कार, सद्भाव एवं आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है।

शास्त्रों में कहा गया है—

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत्॥

अर्थात सभी सुखी हों, सभी निरोग रहें तथा सभी का जीवन मंगलमय हो। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण उपस्थित होकर भगवान के दर्शन एवं पूजन का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। पूरा सिरसा गांव भक्तिमय वातावरण में शिवमय एवं राममय बना हुआ है।

ताड़ी की दुकान से 5 लीटर देसी शराब बरामद, कारोबारी गिरफ्तार

गरीब दर्शन/हाजीपुर/जंदाहा

महिसौर थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के अजीजपुर चांदे गांव स्थित एक तारी दुकान से 5 लीटर देसी शराब बरामद की है। जबकि पुलिस छापेमारी के दौरान रात्रि के अंधेरा का लाभ उठाकर कारोबारी भाग निकला। इस मामले में महिसौर थाना के अवर निरीक्षक धीरज कुमार द्वारा दर्ज प्राथमिकी में अजीजपुर चांदे निवासी लक्ष्मी महतो के पुत्र जगन्नाथ महतो के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बताया गया है कि पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि जगन्नाथ महतो अपने तारी की दुकान में देसी शराब का बिक्री कर रहा है। पुलिस जब छापेमारी को पहुंची तो पुलिस को देखकर जगन्नाथ महतो अंधेरा का लाभ उठाकर भाग निकला। पुलिस द्वारा ली गई तलाशी के दौरान उसके तारी दुकान से एक प्लास्टिक के गैलन में रखा गया करीब 5 लीटर देसी शराब बरामद हुआ। जिसे जप्त किया गया है। पुलिस भाग निकले शराब कारोबारी की गिरफ्तारी की कवायद में लगी है।

नशा छोड़ो, जिंदगी से नाता जोड़ो अभियान के तहत ग्रामीणों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

गरीब दर्शन/हाजीपुर



नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करती है। इससे मुक्ति के लिए सामूहिक जागरूकता और जनभागीदारी जरूरी है। इसी उद्देश्य से गुरुवार को गोरौल प्रखंड के विशुनपुर बांदे गांव में ग्रामीण चिकित्सा कल्याण विकास संस्थान की ओर से नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'नशा छोड़ो, जिंदगी से नाता जोड़ो अभियान' के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों ने नशे से दूर रहने और वैशाली को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाध्यापक सरजुग राम ने की, जबकि मंच संचालन संस्था के सचिव डॉ. सुरेंद्र कुमार ने किया। मुख्य अतिथि वैशाली नागरिक परिषद की सदस्य विमला कुमारी ने महिला और पुरुषों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि नशे की आदत व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर करने के साथ परिवार की आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल असर डालती है। नशे के कारण परिवार में तनाव बढ़ता है और सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता है। उन्होंने ग्रामीणों से नशे से दूर रहने के साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की। कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था के प्रयास से संभव नहीं है, इसके लिए पूरे समाज को आगे आना होगा। उन्होंने उपस्थित लोगों को नशामुक्त वैशाली बनाने का संकल्प भी दिलाया। इस अवसर पर रामबालक महाविद्यालय के लेखापाल चंद्रकांत दास ने भी नशामुक्ति के महत्व पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष ग्रामीण शामिल हुए। सभी ने नशे से दूर रहने, दूसरों को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने और स्वस्थ समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

कायाकल्प अभियान की प्रगति का जायजा लेने डीएम ने अरेराज के विद्यालयों का किया निरीक्षण

गरीब दर्शन / अरेराज



- 22 नवंबर तक मरम्मत एवं रंग-रोगन का कार्य पूरा करने का निर्देश
- लापरवाही पर होगी कार्रवाई

राज्य सरकार के निर्देश पर जिले में संचालित कायाकल्प अभियान के तहत विद्यालयों में आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण एवं आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण सौरभ सुमन यादव ने अधिकारियों की टीम के साथ अरेराज प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने श्री सोमेश्वर +2 उच्च विद्यालय अरेराज, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, राजकीय मध्य विद्यालय अरेराज बालक, राजकीय मध्य विद्यालय अरेराज बालिका तथा प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया कि सभी विद्यालयों में आवश्यक लघु मरम्मत एवं रंग-रोगन का कार्य हर हाल में 22 नवंबर 2026 तक पूरा किया जाए। उन्होंने विद्यालयों में साफ-सफाई, शौचालयों की बेहतर स्थिति, नल से नियमित जलापूर्ति तथा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने छात्राओं के आवासन एवं उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने छात्राओं के लिए पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण बिस्तर, बेडिंग, सामान रखने के लिए रैक तथा अन्य आवश्यक आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही छात्राओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त वातावरण मुहैया कराने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि कायाकल्प अभियान के तहत निर्धारित सभी कार्य तय समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा, अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कार्यक्रम पदाधिकारी शिक्षा विभाग, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अरेराज, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा कर विद्यालयों में स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

महात्माओं के पास होती है अमूल्य आध्यात्मिक दौलत

जिसे राज-पाट देकर भी नहीं पाया जा सकता : बाबा उमाकान्त जी महाराज

गरीब दर्शन/उज्जैन (मध्य प्रदेश)



परम पूज्य संत बाबा उमाकान्त जी महाराज ने सत्संग के दौरान आध्यात्मिक दौलत का महत्व बताते हुए कहा कि महात्माओं के पास ऐसी अनमोल दौलत होती है, जिसकी कीमत दुनिया की कोई भी संपत्ति नहीं लगा सकती। बड़े-बड़े राजा और बादशाह भी इस दौलत को पाने के लिए महात्माओं के आश्रम में जाकर छोटी-छोटी सेवाएं किया करते थे। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक दौलत पाने के लिए व्यक्ति को सबसे पहले अपने अहंकार, काम, क्रोध, लोभ और मोह पर नियंत्रण करना जरूरी है। जब व्यक्ति सेवा और साधना के माध्यम से अपने मन और आत्मा को निर्मल बनाता है, तभी वह इस अनमोल आध्यात्मिक संपदा को प्राप्त करने का पात्र बनता है। महात्मा भी उसी साधक को आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करते हैं, जिसका अंतर्मन इसके योग्य हो जाता है। बाबा उमाकान्त जी महाराज ने सत्संग में आए नए लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जो लोग आध्यात्मिक दौलत प्राप्त करने की इच्छा लेकर आए हैं, उन्हें नामदान के बाद बताए गए नियमों और संयम का पालन करते हुए नियमित साधना करनी चाहिए। साधना के दौरान बाहरी आंखें बंद कर भीतर देखने और बाहरी कान बंद कर अंदर की आवाज सुनने का अभ्यास करना होता है। इसी प्रक्रिया से साधक को आध्यात्मिक अनुभव और संपदा प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि यह आध्यात्मिक दौलत केवल जीवनकाल में ही नहीं, बल्कि मृत्यु के बाद भी जीव के काम आती है। साधक की जितनी ऊपरी लोकों तक पहुंच होती है, वहां भी यह आध्यात्मिक संपदा उसके लिए सहायक बनती है।आध्यात्मिक यात्रा को समझाने के लिए बाबा जी ने वीजा और पासपोर्ट का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अमेरिका का वीजा मिलने के बाद पासपोर्ट के आधार पर छोटे देशों में प्रवेश करना आसान हो जाता है, उसी प्रकार नामदान की मोहर लगने के बाद साधक के लिए छोटे-छोटे लोकों में आगे बढ़ने का मार्ग सुगम हो जाता है। हालांकि बड़े आध्यात्मिक पड़ावों पर गुरु की सहायता की आवश्यकता होती है। अंत में उन्होंने साधकों को संदेश दिया कि जीवन में संयम, नियम, सेवा और नियमित साधना को अपनाएं तथा आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए गुरु को हमेशा याद रखें।

आदापुर रेलवे स्टेशन के पास हथियार के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

गरीब दर्शन / मोतिहारी



- घर से 1.070 किलो चरस बरामद
- देशी कट्टा और पांच जिंदा कारतूस भी जब्त
- बरामद चरस की कीमत करीब पांच लाख रुपये

जिले के हरपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थ और अवैध हथियार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से एक देशी कट्टा और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए। वहीं, गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर उसके घर में छापेमारी कर 1.070 किलोग्राम चरस जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया। बरामद चरस की अनुमानित कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आदापुर रेलवे स्टेशन के समीप एक व्यक्ति अवैध हथियार और जिंदा कारतूस के साथ घूम रहा है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रक्सौल मनीष आनंद के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आदापुर रेलवे स्टेशन पर छापेमारी की। इस दौरान आरोपी को एक देशी कट्टा और पांच जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर उसके घर में छापेमारी की गई, जहां से 1.070 किलोग्राम चरस जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस ने एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई गई है। इस मामले में हरपुर थाना कांड संख्या 129/26 दर्ज कर पुलिस अग्रेतर कार्रवाई में जुटी है। छापेमारी दल में एसडीपीओ रक्सौल मनीष आनंद, हरपुर थानाध्यक्ष प्रियंका कुमारी, पीटीसी संजय कुमार एवं हरपुर थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

जिला कांग्रेस कमेटी ने मनाई इंदिरा गांधी की 109वीं जयंती

गरीब दर्शन/मोतिहारी



- बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने पर मंथन
- वोट रक्षकों की नियुक्ति और मतदाता सूची के सत्यापन को लेकर प्रखंड एवं मंडल अध्यक्षों को दिए गए निर्देश

भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित स्वर्गीय इंदिरा गांधी की 109वीं जयंती पर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से गांधी आश्रम (बंजरिया पंडाल) स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शशिभूषण राय ने की। इस अवसर पर जिले के विभिन्न स्तरों के कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने इंदिरा गांधी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने उनके अदम्य साहस, दृढ़ नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद किया। जिलाध्यक्ष शशिभूषण राय ने कहा कि इंदिरा गांधी का जीवन और उनके सिद्धांत आज भी कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। जयंती समारोह के बाद जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में सभी प्रखंड एवं मंडल अध्यक्षों की संगठनात्मक बैठक हुई। इसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के निर्देशों के अनुपालन और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सभी प्रखंड अध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्र के प्रत्येक मतदान केंद्र पर कम से कम एक बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) एवं वोट रक्षक की नियुक्ति अविलंब सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही मतदाता सूची के सत्यापन पर विशेष जोर दिया गया। जिन मतदाताओं के नाम कथित रूप से अनियमित तरीके से मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनकी पहचान कर छूटे हुए मतदाताओं का विवरण पार्टी के आधिकारिक पोर्टल पर शीघ्र अपलोड करने को कहा गया।

बैठक के अंत में जिलाध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों के लिए सक्रिय रहने और पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को बूथ स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विजय शंकर पाण्डेय, शैलेन्द्र कुमार सिंह, सत्येन्द्र नाथ तिवारी, रामप्रवेश तिवारी, मोख्तार प्रसाद गुप्ता, धनंजय तिवारी, चंद्रशेखर गुप्ता, शुभम कुमार, रमेश सहनी, मो. नेयाज अहमद, मदन प्रसाद, पप्पू रंजन मिश्रा, ब्रजेन्द्र कुमार तिवारी, मनोरंजन तिवारी, दिग्विजय सिंह, कामिल अख्तर, चंदेश्वर प्रसाद सिंह, पप्पू कुमार ठाकुर, पिन्टू श्रीवास्तव, प्रिंस मिश्रा, जयचंद्र प्रसाद यादव, राजकुमार अंजुमन, अवधकिशोर मिश्रा, नवल शुक्ला, अवनीश कुमार, मिंटू राय, धीरज राय, आलोक राय, शैलेश कुमार ठाकुर, राकेश राय, संजय पाण्डेय, अजय झा, चुमन जायसवाल, नन्द कुमार चौबे, संजय कुमार यादव, राज कुमार यादव, आबिद हुसैन, रमण कुमार तिवारी, रमेश कुमार श्रीवास्तव, उमेश कुमार, मोहन तिवारी, अविनाश कुमार उपाध्याय एवं अजहर हुसैन अंसारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीएम ने अनुमंडलीय अस्पताल अरेराज का किया निरीक्षण



- स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के दिए निर्देश
- डायलिसिस यूनिट, अल्ट्रासाउंड केंद्र, ओपीडी एवं एक्स-रे सेवा का लिया जायजा

गरीब दर्शन / अरेराज

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने अनुमंडलीय अस्पताल (एसडीएच), अरेराज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने अस्पताल की डायलिसिस यूनिट, अल्ट्रासाउंड केंद्र, ओपीडी, एक्स-रे सहित अन्य चिकित्सा इकाइयों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा चिकित्सा उपकरणों की स्थिति की जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने, मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने तथा सभी चिकित्सा सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी पदाधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मी पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज, सिविल सर्जन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अखंड ज्योत पाठ और निशान पूजन के साथ श्री श्याम जयंती महोत्सव का शुभारंभ





गरीब दर्शन/मोतिहारी

शहर के हेनरी बाजार स्थित श्री श्याम मंदिर परिसर में गुरुवार को अखंड ज्योत पाठ एवं निशान पूजन के साथ श्री श्याम जयंती महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर करीब 250 महिला श्रद्धालुओं की उपस्थिति में कोलकाता से पधारे हर्ष भारती एवं उनके सहयोगियों तथा प्रसिद्ध गंगाराम म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने संगीतमय अखंड ज्योत पाठ का वाचन किया। इस दौरान बाबा श्याम की जीवनी का भावपूर्ण चित्रण किया गया। पाठ के दौरान नन्हे बालक ने केक काटकर बाबा श्याम का जन्मोत्सव मनाया। वहीं, मटका उत्सव का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिला श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान श्याम प्रभु के भजनों की अमृत वर्षा से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर झूमते नजर आए। पूरा पंडाल 'जय श्री श्याम', 'खाटू नरेश की जय', 'तीन बाणधारी की जय', 'हारे के सहारे की जय' और 'भक्तों के रखवाले की जय' जैसे जयकारों से गूंजता रहा।

रात्रि नौ बजे से श्री श्याम बाबा के निशान पूजन का कार्यक्रम शुरू हुआ। इसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से निशान का पूजन किया और बाबा के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। महोत्सव को सफल बनाने में रवि केजरीवाल, मनीष डालमिया, ठाकुर गाडोलिया, दीपक शर्मा, दीपक मोदी, कुंज अग्रवाल, महेश झुनझुनवाला, प्रिया सर्राफ, पिंकी अग्रवाल, सीमा शर्मा, रीना अग्रवाल, दिव्या केजरीवाल, सरिता टिबड़ेवाल, सुरुचि अग्रवाल, विकास अग्रवाल, विजय सुल्तानिया, रॉबिन लोहिया, केशव जैन एवं चंदन सिंघानिया सहित अन्य श्रद्धालुओं की सक्रिय भूमिका रही।

चरित्र निर्माण में ब्रह्माकुमारी संस्था का योगदान महत्वपूर्ण : बीके शशि सिंह

- परमात्मा की अवतरण भूमि है भारत
- 90 वर्षों से नई दुनिया के निर्माण में जुटी है संस्था

गरीब दर्शन/मोतिहारी



नगर के बनिया पट्टी स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में गुरुवार को 'मूल्य निर्माण में ब्रह्माकुमारी संस्था का योगदान' विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दैनिक मुरली वर्ग से हुआ। इसके बाद मुंबई के प्रसिद्ध उद्योगपति एवं वरिष्ठ राजयोगी बीके शशि भाई ने विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत परमात्मा की अवतरण भूमि है। गीता में वर्णित धर्मग्लानि के समय करीब 90 वर्ष पूर्व परमपिता परमात्मा का भारत की धरती पर अवतरण हुआ। ब्रह्मा बाबा के साधारण तन का आधार लेकर परमात्मा ने नई दुनिया के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। इसका मूल उद्देश्य मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना तथा आत्माओं को सर्वगुण संपन्न और संपूर्ण निर्विकारी बनाना था। पिछले 90 वर्षों से यह ईश्वरीय कार्य भारत से पूरे विश्व में संचालित हो रहा है।

बीके शशि भाई ने कहा कि वर्तमान समय में ब्रह्माकुमारी संस्था सहज राजयोग और ईश्वरीय ज्ञान के माध्यम से आत्माओं को सशक्त बनाने का कार्य कर रही है। मनुष्य की अनेक परेशानियों का मूल कारण आत्मिक शक्ति का कमजोर होना है। संस्था अपने 25 प्रभागों के माध्यम से समाज में आध्यात्मिक जागृति और मानवीय मूल्यों के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। संस्था की करीब छह हजार समर्पित ब्रह्माकुमारी बहनें अपने गुणों और सेवाभावी कार्यों से विश्वभर में पहचान बना चुकी हैं। विभिन्न सेवा केंद्रों पर सहज राजयोग का अभ्यास कराकर लोगों को सुख, शांति और समृद्धि का मार्ग दिखाया जा रहा है। इस अवसर पर सेवा केंद्र प्रभारी बीके विभा बहन ने बुके देकर बीके शशि भाई का स्वागत किया। उनका परिचय देते हुए उन्होंने बताया कि करीब 30 वर्ष पूर्व मोतिहारी के सिकटिया गांव से रोजगार की तलाश में मुंबई गए शशि भाई का संपर्क ब्रह्माकुमारी संस्था से हुआ। इसके बाद वे पूरी निष्ठा के साथ ईश्वरीय सेवाओं में योगदान देने लगे। वर्तमान में मुंबई में उनके कई बड़े उद्योग हैं। चंपारण में संस्था की सेवाओं के विस्तार में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

बीके विभा बहन ने बताया कि सिकटिया, अरेराज और बालगंगा के साथ-साथ मुंबई में भी कई सेवा केंद्रों की स्थापना में शशि भाई की अहम भूमिका रही है। मलाही के सिरनी फार्म में बिना रासायनिक खाद के यौगिक खेती का सफल प्रयोग कर उन्होंने कृषि क्षेत्र में भी किसानों के सामने प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। मीडिया प्रभारी बीके अशोक वर्मा ने कहा कि शशि भाई ने चंपारण और मुंबई के अलावा भगवानपुर, मुजफ्फरपुर तथा माउंट आबू में भी ईश्वरीय सेवाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बाबा को पूरी तरह अनुसरण करते हुए उन्होंने संस्था की सेवाओं को निरंतर गति प्रदान की है। कार्यक्रम के समापन पर बीके विभा बहन ने बीके शशि भाई के साथ डॉ. चंदन जायसवाल एवं श्रीमती चंदन जायसवाल को ईश्वरीय सौगात भेंटकर सम्मानित किया। मौके पर बीके करुणा, बीके दीप, बीके अनीता, बीके पूनम, बीके राखी, बीके प्रभु सहित बड़ी संख्या में भाई-बहन उपस्थित रहे।

मनरेगा पीओ ने यूएमएस लखनीपुर की चहारदीवारी निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

गरीब दर्शन/पहाड़पुर

प्रखंड क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं में पारदर्शिता एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मनरेगा पहाड़पुर के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रकाश कुमार श्रीवास्तव ने कायाकल्प योजना के तहत राजकीय मध्य विद्यालय (यूएमएस) लखनीपुर में निर्माणाधीन चहारदीवारी का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार संजय सिंह भी मौजूद रहे। निरीक्षण के क्रम में कार्यक्रम पदाधिकारी ने निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही ईंट, सीमेंट और बालू सहित अन्य सामग्रियों की गुणवत्ता की बारीकी से जांच की। साथ ही निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित संवेदकों एवं कर्मियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

कार्यक्रम पदाधिकारी प्रकाश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरकारी योजनाओं की राशि का सदुपयोग तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निर्माण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।



सोमेश्वर धाम के विकास कार्यों का डीएम ने किया पुनः स्थलीय निरीक्षण



- 45.29 करोड़ की लागत से हो रहा विकास
- जुलाई 2027 तक पूरा होगा निर्माण कार्य

गरीब दर्शन / अरेराज

प्रसिद्ध सोमेश्वर धाम, अरेराज में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज के साथ पुनः स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और कार्यकारी एजेंसी के पदाधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कार्यकारी एजेंसी आईएनएस सीपीएल (INSCPL) के पदाधिकारियों ने बताया कि परिसर में पुराने गेस्ट हाउस के जीर्णोद्धार एवं नए गेस्ट हाउस के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही केड़िया धाम के विकास का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। इन सभी कार्यों के लिए कुल 45.29 करोड़ रुपये की राशि का एकरारनामा किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुराने गेस्ट हाउस का लगभग 70 प्रतिशत तथा नए गेस्ट हाउस का करीब 60 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। नया गेस्ट हाउस जी प्लस टू (G+2) भवन होगा, जिसका निर्माण लगभग 2100 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में किया जा रहा है। इसके भूतल पर रिसेप्शन, वेटिंग हॉल एवं बैंक्वेट हॉल का निर्माण होगा, जबकि प्रथम एवं द्वितीय तल पर गेस्ट रूम और सुइट रूम बनाए जाएंगे।

इसके अलावा धाम परिसर स्थित तालाब का सौंदर्यीकरण एवं विकास किया जाएगा। तालाब के चारों ओर पाथवे का निर्माण, आकर्षक सजावट, समुचित प्रकाश व्यवस्था तथा हरित क्षेत्र विकसित करने की भी योजना है। निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार पुराने गेस्ट हाउस का जीर्णोद्धार जनवरी 2027 तक पूरा किया जाना है, जबकि विकास परियोजना के सभी कार्य जुलाई 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने कार्यकारी एजेंसी को सभी निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज को कार्यों की नियमित निगरानी एवं अनुश्रवण सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर अरेराज नगर पंचायत के मुख्य पार्षद सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित थे।

मोबाइल हैक कर अवैध सिम पोर्टिंग के जरिए दो बैंक खातों से 83,374 रुपये की निकासी

गरीब दर्शन/पहाड़पुर

साइबर अपराधियों ने मोबाइल नंबर हैक कर अवैध सिम पोर्टिंग के जरिए अरेराज और पहाड़पुर के दो बैंक खातों से 83,374.97 रुपये की अवैध निकासी कर ली। इस मामले में पहाड़पुर थाना क्षेत्र के लखनीपुर निवासी करीब 62 वर्षीय राजेश्वर सिंह ने साइबर थाना, मोतिहारी में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने और ठगी गई राशि वापस दिलाने की मांग की है।

पीड़ित के अनुसार, 13 नवंबर 2026 की रात करीब नौ बजे अज्ञात साइबर अपराधियों ने उनका एयरटेल मोबाइल नंबर हैक कर लिया। हैरानी की बात यह है कि सिम कार्ड उनके मोबाइल में ही मौजूद था। उक्त मोबाइल नंबर उनके दोनों बैंक खातों से जुड़ा हुआ था। पीड़ित का आरोप है कि इससे पहले 9993957624 और 9728934598 नंबरों से लगातार फोन कर उन्हें झांसे में लिया गया तथा उनका मोबाइल और फोन-पे हैक कर लिया गया। इस संबंध में उन्होंने 14 नवंबर को पहाड़पुर थाना में भी सनहा दर्ज कराया था। राजेश्वर सिंह ने बताया कि 8398821795 नंबर पर संपर्क करने पर मेरठ का सिम डिस्ट्रीब्यूटर बताने वाले मनवर खां ने जानकारी दी कि उसकी दुकान से साहिल खान नामक व्यक्ति ने उनका मोबाइल नंबर एयरटेल से वीआई (Vi) में अवैध रूप से पोर्ट कराया है। मनवर खां ने संबंधित व्यक्ति



का पता, आधार कार्ड और मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में कोई जानकारी नहीं दी।

पीड़ित के बैंक पासबुक के अनुसार, 13 से 17 नवंबर के बीच पंजाब नेशनल बैंक की नौवाडीह सथा शाखा के खाते से 20,245.98 रुपये तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की अरेराज शाखा के खाते से 63,128.99 रुपये की अवैध निकासी की गई। इस प्रकार दोनों खातों से कुल 83,374.97 रुपये की निकासी हुई। वहीं, दोनों खातों में कुल 31,584 रुपये की संदिग्ध जमा राशि भी दर्ज की गई है। पीड़ित ने साइबर थाना प्रशासन से संदिग्ध बैंक खातों को तत्काल फ्रीज कराने, संबंधित मोबाइल नंबरों और आरोपित व्यक्तियों की गहन जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुए ठगी गई राशि वापस दिलाने की मांग की है। इस संबंध में राजेश्वर सिंह ने प्रेस बयान जारी कर पत्रकारों को पूरे मामले की जानकारी दी।

वैश्विक बाजार, भारत की निर्यात शक्ति का विस्तार



डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वैश्विक अर्थव्यवस्था में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच भारत ने अपने निर्यात के मोर्चे पर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। कहना होगा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत के निर्यात ने प्रमुख मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) साझेदारों और दुनिया के बड़े व्यापारिक बाजारों में व्यापक विस्तार किया है। दक्षिण-पूर्व एशिया से लेकर यूरोप और पूर्वी एशिया तक भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आसियान देशों को भारत का निर्यात 58 प्रतिशत उछलकर 28.06 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) के साझेदार देशों को निर्यात में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 15.29 अरब डॉलर हो गया। यूरोपीय संघ को भी भारत का निर्यात पांच प्रतिशत बढ़कर 38.79 अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारत के निर्यात प्रदर्शन की सबसे श्रेष्ठ उपलब्धियों में सिंगापुर, मलेशिया, श्रीलंका, जापान, दक्षिण कोरिया और ओमान जैसे बाजारों में दर्ज दो अंकों की वृद्धि शामिल है। सिंगापुर को निर्यात 103 प्रतिशत बढ़कर 11.07 अरब डॉलर हो गया, जबकि मलेशिया में 83 प्रतिशत और श्रीलंका में 73 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ओमान को निर्यात भी 47 प्रतिशत बढ़कर 3.29 अरब डॉलर तक पहुंच गया। ये आंकड़े संकेत देते हैं कि भारत अपने पारंपरिक व्यापारिक बाजारों के साथ नए और तेजी से विकसित हो रहे बाजारों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति बना रहा है।

आसियान बना भारतीय निर्यात का सबसे तेज बढ़ता क्षेत्रः भारत के निर्यात विस्तार में दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) सबसे महत्वपूर्ण विकास क्षेत्र के रूप में सामने आया है। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि में आसियान देशों को भारत का निर्यात 17.75 अरब डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2026-27 की समान अवधि में 58 प्रतिशत बढ़कर 28.06 अरब डॉलर हो गया। इस वृद्धि में सिंगापुर और मलेशिया की विशेष भूमिका रही। सिंगापुर को भारत का निर्यात 5.45 अरब डॉलर से बढ़कर 11.07 अरब डॉलर हो गया। इस तरह एक वर्ष में निर्यात दोगुने से भी अधिक बढ़ा। मलेशिया के बाजार में भी भारतीय उत्पादों की मांग में उल्लेखनीय तेजी रही। यहां निर्यात 3.05 अरब डॉलर से 83 प्रतिशत बढ़कर 5.58 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वियतनाम को निर्यात 36 प्रतिशत बढ़कर 3.83 अरब डॉलर और इंडोनेशिया को 36 प्रतिशत बढ़कर 2.98 अरब डॉलर हो गया। थाईलैंड भी भारत के महत्वपूर्ण निर्यात गंतव्यों में शामिल रहा, जहां 2.65 अरब डॉलर का निर्यात दर्ज किया गया।

वस्तुतः आज आसियान देशों के साथ भारत के बढ़ते व्यापारिक संबंधों का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यह क्षेत्र वैश्विक विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, समुद्री व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। इस बाजार में भारतीय निर्यात की बढ़ती हिस्सेदारी भविष्य में व्यापारिक सहयोग और औद्योगिक साझेदारी के नए अवसर पैदा कर सकती है। इसके साथ ही भारतीय उपमहाद्वीप में श्रीलंका की बड़ी छलांग दिखाई दी है। भारत के पड़ोसी देशों के साथ व्यापारिक संबंधों में यह मजबूती का पर्याय है। दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) के साझेदारों को भारत का निर्यात 22 प्रतिशत बढ़कर 15.29 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 12.55 अरब डॉलर था। जिसमें कि श्रीलंका सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में शामिल रहा। यहां भारतीय निर्यात 2.28 अरब डॉलर से 73 प्रतिशत बढ़कर 3.94 अरब डॉलर हो गया। नेपाल को निर्यात 19 प्रतिशत बढ़कर 4.37 अरब डॉलर और भूटान को 16 प्रतिशत बढ़कर 711.4 मिलियन डॉलर तक पहुंचा। मालदीव के बाजार में भी 52 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और निर्यात 337.4 मिलियन डॉलर हो गया। बांग्लादेश 5.66 अरब डॉलर के निर्यात के साथ साफ्टा क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बना रहा।

जापान और दक्षिण कोरिया में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंचः पूर्वी एशिया के विकसित औद्योगिक बाजारों में भी भारत के निर्यात को गति मिली है। जापान को निर्यात 40 प्रतिशत बढ़कर 4.10 अरब डॉलर हो गया, जबकि दक्षिण कोरिया को निर्यात में 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 3.91 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इन दोनों बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच भारत के औद्योगिक और व्यापारिक संबंधों के विस्तार का संकेत है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे बाजारों में निर्यात वृद्धि का महत्व इसलिए भी है कि ये देश वैश्विक तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मशीनरी और उन्नत विनिर्माण के बड़े केंद्र हैं। इन बाजारों में भारतीय कंपनियों के लिए व्यापारिक अवसरों का विस्तार देश की उत्पादन क्षमता और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने में सहायक हो सकता है।

यूरोप में स्पेन और इटली ने दिखाई तेज रफ्तारः यूरोपीय संघ भारत के बड़े निर्यात बाजारों में अपनी महत्वपूर्ण स्थिति बनाए हुए है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में यूरोपीय संघ को भारत का निर्यात 36.97 अरब डॉलर से पांच प्रतिशत बढ़कर 38.79 अरब डॉलर हो गया। इस वृद्धि में स्पेन और इटली जैसे बाजारों का योगदान उल्लेखनीय रहा। स्पेन को भारत का निर्यात 45 प्रतिशत बढ़कर 4.68 अरब डॉलर हो गया। इटली में 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ निर्यात 4.55 अरब डॉलर तक पहुंच गया। जर्मनी को निर्यात 12 प्रतिशत बढ़कर 6.34 अरब डॉलर और फ्रांस को नौ प्रतिशत बढ़कर 3.73 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा क्रोएशिया, बुल्गारिया, साइप्रस, एस्टोनिया और चेक गणराज्य जैसे अपेक्षाकृत छोटे यूरोपीय बाजारों में भी भारतीय निर्यात ने मजबूत वृद्धि दर्ज की। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के देशों में भी भारत का निर्यात लगभग पांच प्रतिशत बढ़कर 1.03 अरब डॉलर हो गया। स्विट्जरलैंड को निर्यात 11 प्रतिशत बढ़कर 758.4 मिलियन डॉलर और नॉर्वे को 14 प्रतिशत बढ़कर 264 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। लिकटेंस्टीन में भी 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

ओमान, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन में भी बढ़ा कारोबारः एशिया और यूरोप के अतिरिक्त दूसरे प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ भी भारत के निर्यात संबंध मजबूत हुए हैं। ओमान को निर्यात 47 प्रतिशत बढ़कर 3.29 अरब डॉलर हो गया। ऑस्ट्रेलिया को 11 प्रतिशत वृद्धि के साथ निर्यात 4.10 अरब डॉलर पहुंचा, जबकि यूनाइटेड किंगडम को निर्यात सात प्रतिशत बढ़कर 7.32 अरब डॉलर हो गया। मॉरीशस में भी 45 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

व्यापारिक विविधीकरण से मजबूत होती अर्थव्यवस्थाः भारत के निर्यात में विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में दर्ज यह वृद्धि व्यापक व्यापारिक विविधीकरण की ओर संकेत करती है। वैश्विक व्यापार में किसी एक बाजार पर अत्यधिक निर्भरता के बजाय अनेक देशों और क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत करना आर्थिक स्थिरता के लिहाज से महत्वपूर्ण है। आसियान, दक्षिण एशिया, यूरोप, पूर्वी एशिया और पश्चिम एशिया के बाजारों में एक साथ बढ़ता निर्यात भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है। अतः इस तरह से पहली छमाही के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय निर्यात का दायरा लगातार विस्तृत हो रहा है और देश के व्यापारिक संबंध नए भौगोलिक क्षेत्रों में मजबूती हासिल कर रहे हैं। यह विस्तार भारत को वैश्विक व्यापार में एक महत्वपूर्ण उत्पादन और आपूर्ति केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। निश्चित ही एक देश के रूप में भारत की यह तरक्की हम सभी को अपने वर्तमान के साथ श्रेष्ठ भविष्य के लिए आशान्वित करती है।

सींचना होगा बच्चों के मधुवन को



योगेश कुमार गोयल

बाल दिवस केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है। भारत में बाल दिवस प्रतिवर्ष 14 नवंबर को मनाया जाता है । बच्चों के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दिवस 20 नवंबर को मनाया जाता है। यह दिवस हमें बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष यह दिवस 'मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य' विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देता है कि सभी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण सहित उनके मौलिक अधिकारों तक पहुंच हो। वैश्विक स्तर पर इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना, उनकी समस्याओं को हल करना, उनके कल्याण के लिए काम करना तथा अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है। बाल दिवस दुनियाभर में 190 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है और अनेक देशों में इसे मनाने की तारीखें अलग-अलग हैं। जनवरी से लेकर दिसंबर तक हर माह किसी न किसी देश में बाल दिवस का आयोजन होता है।

संयुक्त राष्ट्र ने 20 नवंबर 1954 को 'विश्व बाल दिवस' मनाए जाने की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चे एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके। सर्वप्रथम बाल दिवस जिनेवा के इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहयोग से विश्वभर में अक्टूबर 1953 में मनाया गया । विश्वभर में बाल दिवस मनाए जाने का विचार वीके कृष्ण मेनन का था, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1954 में अपनाया। संयुक्त राष्ट्र ने विश्वभर के तमाम देशों से अपील की कि वे अपनी परम्पराओं, संस्कृति तथा धर्म के अनुसार अपने लिए कोई एक ऐसा दिन सुनिश्चित करें, जो सिर्फ बच्चों को ही समर्पित हो। वैसे तो बाल दिवस मनाए जाने की शुरुआत वर्ष 1925 से ही हो गई थी लेकिन वैश्विक रूप में देखें तो इसे दुनियाभर में मान्यता मिली 1953 में।

दुनियाभर में बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल मजदूरी इत्यादि बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। माना जाता है कि सबसे पहले बाल दिवस तुर्किये में मनाया गया था। आइए देखते हैं कि दुनियाभर में किन देशों द्वारा कब बाल दिवस मनाया जाता है। जनवरी के पहले शुक्रवार को बहामास , 11 जनवरी को ट्यूनिशिया, जनवरी के दूसरे शनिवार को थाईलैंड, फरवरी के दूसरे रविवार को कुक द्वीप समूह, नाउरू, निउए, टोकेलौ तथा केमन द्वीप समूह, 13 फरवरी को म्यांमार, मार्च के पहले रविवार को न्यूजीलैंड, 17 मार्च को बांग्लादेश, 4 अप्रैल को ताइपे, हांगकांग, 5 अप्रैल को फिलीस्तीन, 12 अप्रैल को बोलिविया तथा हैती, 23 अप्रैल को तुर्किये, 30 अप्रैल को मेक्सिको, 5 मई को दक्षिण कोरिया तथा जापान, मई के दूसरे रविवार को स्पेन तथा यूके, 10 मई को मालदीव, 17 मई को नार्वे, 27 मई को नाईजीरिया, मई के आखरी रविवार को हंगरी, 1 जून को चीन सहित कई देशों में बाल संरक्षण दिवस के रूप में, 1 जुलाई को पाकिस्तान, जुलाई के तीसरे रविवार को क्यूबा, पनामा, वेनेजुएला, 23 जुलाई को इंडोनेशिया, अगस्त के पहले रविवार को उरुग्वे, 16 अगस्त को पैराग्वे, अगस्त के तीसरे रविवार को अर्जेन्टीना तथा पेरू, 9 सितम्बर कोस्टा रीका, 10 सितम्बर को हौण्डुरस, 14 सितम्बर को नेपाल, 20 सितम्बर को आस्ट्रिया तथा जर्मनी, 25 सितम्बर को नीदरलैंड, 1 अक्टूबर को अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला तथा श्रीलंका, अक्टूबर के पहले बुधवार को चिली, अक्टूबर के पहले शुक्रवार को सिंगापुर, 8 अक्टूबर को ईरान, 12 अक्टूबर को ब्राजील, अक्टूबर के चौथे शनिवार को मलेशिया, अक्टूबर के चौथे रविवार को आस्ट्रेलिया, नवंबर के पहले शनिवार को दक्षिण अफ्रीका, 20 नवंबर को अजरबैजान, कनाडा, साइप्रस, मिस्र, इथियोपिया, फिनलैंड, फ्रांस, यूनान, आयरलैंड, इजराइल, केन्या, मैसिडोनिया, नीदरलैंड, फिलीपींस, सर्बिया, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, त्रिनिदाद व टोबेगो, 5 दिसम्बर को सूरीनाम, 23 दिसम्बर को सूडान तथा 25 दिसम्बर कांगो गणराज्य, कैमरून तथा भूमध्यरेखीय गिनी में बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। बहरहाल, विश्व बाल दिवस हमें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि बच्चों का भविष्य उनके आज पर निर्भर करता है, जिसके लिए हमें ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बाल श्रम और शोषण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, बच्चों को उनकी प्रतिभा को निखारने के पर्याप्त अवसर मिलें, उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ और पोषित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। भारत में बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए कई कानून और योजनाएं लागू हैं, जिनमें बाल श्रम निषेध और विनियमन अधिनियम 1986, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, पॉक्सो एक्ट 2012 प्रमुख रूप से शामिल हैं। मिड-डे मील योजना और आंगनवाड़ी सेवा जैसी योजनाएं भी बच्चों के पोषण और शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

विकास की अंधी दौड़ में दम तोड़ता पर्यावरण, आखिर जवाबदेह कौन?

सनत जैन

प्रदूषण की बढ़ती समस्या केवल मौसम, पराली, पटाखों और वाहनों का परिणाम नहीं, बल्कि विकास की नीतियों, प्रशासनिक लापरवाही और पर्यावरण संरक्षण के प्रति कमजोर इच्छाशक्ति पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। भारत आज विकास की जिस दौड़ में शामिल है, उसमें आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार, सड़कों का निर्माण, बड़े-बड़े भवन और बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने की होड़ लगी हुई है। निश्चित रूप से विकास किसी भी देश की आवश्यकता है, सवाल यह है, क्या विकास की कीमत प्रकृति को नष्ट करके चुकाई जानी चाहिए? क्या जंगलों को काटकर, पहाड़ों को खोखला करके, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करके और हवा-पानी को प्रदूषित करके ही विकास किया जा सकता है? आर्थिक प्रगति ही वास्तव में देश का विकास कहलाएगी? आज भारत के सामने यही सबसे बड़ा सवाल खड़ा है। पिछले डेढ़ दशक में देश के अनेक हिस्सों में जिस तेजी से निर्माण और औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार हुआ है। उसने पर्यावरणीय संतुलन को गंभीर चुनौती दी है। हिमालयी क्षेत्र, उत्तराखंड, बस्तर के घने जंगल, तटीय इलाके और देश के प्राकृतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र विकास परियोजनाओं के दबाव में पर्यावरण की दृष्टि से दम तोड़ रहे हैं। जिन स्थानों पर निर्माणकार्यों को लेकर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत थी वहां भी पर्यावरणीय प्रभावों का पर्याप्त आकलन किए



बिना परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की शिकायतें सामने आती हैं। इसके परिणामस्वरूप भूस्खलन, बाढ़, जंगलों का विनाश और जैव विविधता पर संकट जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट जैसी संस्था भी अब विकास के नाम पर पर्यावरण के मामलों में अनदेखी कर रही है। इसने चिंता को और बढ़ा दिया है।

सबसे चिंताजनक स्थिति वायु प्रदूषण की है। दिल्ली-एनसीआर सहित पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और तेलंगाना के अनेक शहरों में हवा की गुणवत्ता लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। सर्दियों में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी तक पहुंच जाता है। लोगों को सांस लेने में परेशानी होती है, बच्चों और बुजुर्गों पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ रहा है। श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियों के मरीज बढ़ते जा रहे हैं। प्रदूषण का प्रभाव केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहर और कस्बे भी इसकी चपेट में आ गये हैं। इस समस्या के लिए केवल पराली, पटाखों, वाहनों या मौसम को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुआं, ताप विद्युत संयंत्रों का उत्सर्जन, निर्माण स्थलों की धूल, कचरा जलाना और शहरी नियोजन की कमजोरियां भी प्रदूषण के बड़े कारण हैं। इन सभी पर नियंत्रण की जिम्मेदारी पर्यावरण मंत्रालय, केंद्रीय एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, स्थानीय निकायों और संबंधित विभागों की है। इसके बावजूद जब प्रदूषण बढ़ता है, तो जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डालने का सिलसिला शुरू हो जाता है। पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों और संस्थाओं की कमी नहीं है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण और न्यायपालिका भी पर्यावरणीय मामलों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके बावजूद असली चुनौती इन कानूनों और आदेशों को जमीन पर लागू करने की है। यदि किसी परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी देते समय उसके दीर्घकालिक प्रभावों का निष्पक्ष आकलन नहीं होगा, यदि नियमों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होगी, यदि पौधारोपण के नाम पर केवल कागजी उपलब्धियां दिखाई जाएंगी, तो पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य भारत में कभी पूरा नहीं हो सकता। भ्रष्टाचार की जो गंगा भारत में बह रही है, जिम्मेदार अधिकारियों के ऊपर कार्यवाही नहीं हो रही है। ऐसी स्थिति में मामला और भी जटिल होता चला जा रहा है।

चीन और यूरोप के कई देशों के अनुभव बताते हैं, औद्योगिक विकास के साथ प्रदूषण नियंत्रण की तकनीक, स्वच्छ ऊर्जा, सार्वजनिक परिवहन और पर्यावरणीय निगरानी में लगातार निवेश करना जरूरी है। भारत को इन अनुभवों से सीखने की आवश्यकता है। केवल योजनाएं बनाने और हजारों करोड़ रुपये खर्च करने से परिणाम नहीं मिलेंगे। यह देखना होगा कि कितने पेड़ वास्तव में लगाए गए, कितने जीवित बचे, उद्योगों ने उत्सर्जन कितना घटाया और शहरों की हवा कितनी स्वच्छ हुई। यदि उसमें खराबी आई है तो जिम्मेदार अधिकारियों को दंडित किया जाना चाहिए। अब समय आ गया है, पर्यावरण संरक्षण को सरकारी औपचारिकता के बजाय राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए। विकास परियोजनाओं की मंजूरी में पारदर्शिता हो, पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, वन भूमि और जलस्रोतों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों की जवाबदेही तय हो।

साथ ही नागरिकों को भी सार्वजनिक परिवहन, ऊर्जा बचत, कचरा प्रबंधन और वृक्षारोपण में सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पर्यावरण संरक्षण को विकास विरोधी नहीं, बल्कि विकास की अनिवार्य शर्त माना जाए। आखिर स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी और सुरक्षित प्राकृतिक संसाधनों के बिना आर्थिक समृद्धि का क्या अर्थ है? यदि आज हमने प्रकृति के साथ हो रहे खिलवाड़ को नहीं रोका, तो आने वाली पीढ़ियों को विकास की इमारतों के बीच सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा तक नसीब नहीं होगी। अब सवाल यह है, विकास करते हुए देश की प्रकृति, पर्यावरण वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए किस तरह से सुरक्षित रखा जाए। आर्थिक सोच को लेकर जो निर्णय लिए जा रहे हैं, उसमें पर्यावरण को सबसे ऊपर रखना होगा। अन्यथा इस तरह के विकास का कोई मतलब नहीं है।

जब बच्चे बोलते हैं, व्यवस्था को सुनना पड़ता है



सुनील कुमार गुप्ता

भोपाल (ईएमएस)। 20 नवंबर को दुनिया बाल अधिकार दिवस मनाती है। सन् 1959 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसी दिन बाल अधिकारों की घोषणा और सन् 1989 में बाल अधिकार अभिसमय (सम्मेलन) स्वीकार किया। भारत ने बच्चों के जीवन, विकास, सुरक्षा, शिक्षा, समानता और सहभागिता के अधिकारों को मान्यता दी है। कानून और योजनाएं हैं, फिर भी क्या हर बच्चा अपना बचपन जी पा रहा है? जब एक लड़की अपना बाल विवाह रुकवाती है, जब किशोरियां माहवारी पर चुप्पी तोड़ती हैं और जब बच्चे स्कूल की दूरी, बस किराये, शिक्षकों की कमी या पीने के पानी जैसी समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरते हैं, तब वे केवल शिकायत नहीं कर रहे होते, वे अपने अधिकारों का अर्थ समझा रहे होते हैं। ऐसे क्षणों में समाज और व्यवस्था, दोनों से सवाल पूछे जाने चाहिए कि बच्चों की आवाज आखिर कितनी सुनी जाती है और उनके लिए क्या किया जाता है?

मध्यप्रदेश में बच्चों की अपनी पहलें बताती हैं कि वे केवल योजनाओं के लाभार्थी नहीं, बल्कि बदलाव के भागीदार भी हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें जानकारी, सुरक्षित मंच और बोलने का अवसर मिले।

पूनम ने अपना विवाह रुकवाया, अब अपने पैरों पर खड़ी है

भोपाल की मदर इंडिया कॉलोनी में रहने वाली पूनम (बदला हुआ नाम) की शादी परिवार ने कम उम्र में तय कर दी थी। घर में तैयारियां शुरू हो चुकी थीं, लेकिन पूनम के मन में अपने भविष्य को लेकर अलग आकांक्षाएं थीं। वह लैंगिक समानता के लिए काम करने वाली सामाजिक संस्था सरोकार के साथ बाल विवाह के विरुद्ध नुक्कड़ नाटकों में हिस्सा लेती थी। इन नाटकों में वह स्वयं लोगों को बताती थी कि कम उम्र में विवाह लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सपनों और भविष्य को कैसे प्रभावित करता है। जब वही परिस्थिति उसके जीवन में आई, उसने परिवार से बात की, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी को फोन किया और विवाह रुकवा लिया। सरोकार की संस्थापक-सचिव कुमुद सिंह ने यह प्रसंग साझा करते हुए बताया है कि पूनम ने आगे पढ़ाई की, एमबीए पूरा किया और अब अपनी ट्रेडिंग कंपनी चला रही है।

यह सरकारी योजना का आंकड़ा नहीं, जागरूकता और आत्मविश्वास की कहानी है। लेकिन कितनी पूनम अपनी शादी रोक पाती हैं? कितनी लड़कियां सामाजिक दबाव में पढ़ाई छोड़ देती हैं? बाल विवाह रोकने के लिए कानूनी कार्रवाई के साथ परिवारों, समुदायों, विद्यालयों और पंचायतों से लगातार संवाद जरूरी है। लड़कियों को ऐसा वातावरण भी चाहिए जिसमें वे अपने जीवन के फैसले ले सकें।

NFHS-6 (2023–24) के अनुसार मध्यप्रदेश में 20 से 24 वर्ष आयु वर्ग की 20 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से पहले हुआ था। NFHS-5 में यह अनुपात 23.1 प्रतिशत था। गिरावट उम्मीद जगाती है, लेकिन हर पांचवीं लड़की बाल विवाह का शिकार हुई है। चुनौती अब भी बड़ी है। कुमुद सिंह के अनुसार, कई बाल विवाह दर्ज ही नहीं हो पाते। इसलिए कानून के साथ संवाद और लड़कियों की शिक्षा में निवेश जरूरी है।

माहवारी पर चुप्पी टूटे, तभी गरिमा और स्वास्थ्य का अधिकार पूरा होगा

सरोकार की एक और पहल किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म के बारे में खुलकर बात करने का साहस देने से जुड़ी है। घर में धीमी आवाज में होने वाली बातचीत और विद्यालयों में झिझककर पूछे जाने वाले सवालों को संस्था ने संवाद का विषय बनाया। स्कूलों और बस्तियों में किशोरियों को शरीर में होने वाले बदलाव समझने, प्रश्न पूछने और बिना संकोच बोलने के लिए प्रोत्साहित किया गया। लड़कों और समुदाय को भी जोड़ा गया, क्योंकि यह चुप्पी पूरे समाज की सोच से जुड़ी है।

माहवारी स्वाभाविक है, लेकिन मिथक और सुविधाओं की कमी शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मसम्मान प्रभावित करते हैं। क्या हर विद्यालय में किशोरियां भरोसे से सवाल पूछ सकती हैं? क्या घरों में पुरुष सदस्य भी इसे सामान्य प्रक्रिया मानते हैं? मासिक धर्म स्वास्थ्य का अधिकार उत्पाद उपलब्ध कराने भर से पूरा नहीं होता; जानकारी, स्वच्छ शौचालय, पानी, सम्मान और भेदभाव से मुक्ति भी जरूरी है।

दोनों पहलें बताती हैं कि लड़कियों को संरक्षण के साथ जानकारी, आत्मविश्वास और निर्णय की स्वतंत्रता भी चाहिए।

आंकड़े बताते हैं बचपन की चुनौतियां

पोषण भी गंभीर सवाल उठाता है। NFHS-5 (2019–21) के अनुसार मध्यप्रदेश में पांच वर्ष से कम आयु के 35.7 प्रतिशत बच्चे अवरुद्ध विकास और 33 प्रतिशत बच्चे कम वजन की समस्या से प्रभावित थे। NFHS-6 (2023–24) की उपलब्ध राज्य तथ्य-पत्रिका में इन पोषण संकेतकों के तुलनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं; इसलिए पुराने आंकड़ों को वर्तमान स्थिति बताकर पेश करना उचित नहीं होगा।

शिवपुरी के सहरिया बहुल गांवों में कुपोषण की चुनौती से निपटने के लिए विकास संवाद समिति और बाल अधिकारों पर काम करने वाली संस्था क्राय के सहयोग से समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन के प्रयास किए गए। कई वर्षों तक चली इस पहल ने पोषण को केवल परिवार की जिम्मेदारी मानने के बजाय आंगनवाड़ी, समुदाय और सार्वजनिक व्यवस्था की साझा जिम्मेदारी बनाने पर जोर दिया। बच्चे का पोषण भोजन, स्वास्थ्य, स्वच्छता, मातृ स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़ा है। किसी एक योजना से समस्या हल नहीं होगी; सेवाओं का समन्वय जरूरी है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी नामांकन और पढ़ाई पूरी करने के बीच दूरी बनी हुई है। UDISE+ 2024–25 के अनुसार मध्यप्रदेश में माध्यमिक स्तर पर ड्रॉपआउट दर 16.8 प्रतिशत थी, जबकि राष्ट्रीय औसत 11.5 प्रतिशत था। पढ़ाई छूटने के पीछे आर्थिक दबाव, दूरी, परिवहन, घरेलू जिम्मेदारियां और विद्यालयी सुविधाओं की कमी हो सकती है। इसे केवल पारिवारिक निर्णय मानना समस्या की जड़ से नजर हटाना है।

जब बच्चे खुद सवाल करते हैं, व्यवस्था को जवाब देना पड़ता है

मध्यप्रदेश के आदिवासी अंचलों से बच्चों की सामूहिक पहल की कहानियां सामने आई हैं। अलीराजपुर के चिकड़ा गांव में बच्चों ने विद्यालय में शिक्षकों की अनियमित उपस्थिति का मुद्दा उठाया। 12 वर्षीय दामा रामिया ने अपनी परेशानी परिवार और सरपंच के सामने रखी। इसके बाद बच्चों ने बाल पंचायत बनाई। धीरे-धीरे 30 गांवों के लगभग 100 बच्चे इससे जुड़े और उन्होंने अपनी शिकायत प्रशासन तक पहुंचाई। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, इस पहल के बाद क्षेत्र के 21 विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठे।

अगस्त 2026 में विदिशा जिले के सिरोंज में छात्राओं ने बस किराये में बढ़ोतरी का विरोध किया। ग्रामीण इलाकों से स्कूल आने वाली लड़कियों का कहना था कि किराया बढ़ने से पढ़ाई जारी रखना मुश्किल हो सकता है। उनके प्रदर्शन के बाद प्रशासन और बस संचालकों के बीच बातचीत हुई और छात्राओं के लिए पुरानी रियायती दर बहाल की गई। यह स्कूल तक पहुंच और शिक्षा जारी रखने के अधिकार का सवाल था।

उज्जैन में रानी लक्ष्मीबाई शासकीय सराफा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को शहर से लगभग सात किलोमीटर दूर दाऊदखेड़ी स्थानांतरित करने के प्रस्ताव के खिलाफ छात्र-छात्राएं सामने आए। उन्हें चिंता थी कि दूरी बढ़ने से आने-जाने, सुरक्षा और पढ़ाई पर असर पड़ेगा। विद्यार्थियों के विरोध के बाद प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था होने तक विद्यालय को मौजूदा परिसर में जारी रखने का आश्वासन दिया। भोपाल में भी लगभग 300 से 400 विद्यार्थियों ने रीजनल स्कूल के प्रस्तावित विलय के खिलाफ प्रदर्शन कर अपनी शैक्षणिक पहचान और विद्यालय की प्रकृति को लेकर चिंता जताई। मांगें असाधारण नहीं थीं-सुरक्षित रास्ता, सस्ता परिवहन, शिक्षक, साफ पानी और बेहतर भवन। क्या इन्हें सुनिश्चित करना व्यवस्था की पहली जिम्मेदारी नहीं होना चाहिए?

महाकोशल क्षेत्र की इंदिरा ने अपने विद्यालय में पेयजल की समस्या बाल पंचायत में उठाई। बच्चों ने अभिभावकों और स्थानीय प्रशासन तक बात पहुंचाई और विद्यालय में हैंडपंप लगाने की स्वीकृति मिली। शिवपुरी के एक सहरिया गांव में सावित्री (बदला हुआ नाम) ने निजता और सुरक्षा की समस्या से परेशान होकर पत्थरों और बांस से अस्थायी शौचालय बनाया। उसकी पहल से आसपास के गांवों में भी प्रेरणा मिली और 250 से अधिक शौचालयों के निर्माण का रास्ता बना। ये उदाहरण बताते हैं कि बच्चों को निर्णयों में जगह देने से स्थानीय बदलाव संभव है।

संक्षिप्त समाचार

कौशल विकास समिति की बैठक में किशोरियों को कौशल विकास से जोड़ने पर विशेष जोर

♦ उप विकास आयुक्त सुश्री श्वेता भारती की अध्यक्षता में हुई बैठक

गरीब दर्शन / सीतामढ़ी



जिला कौशल विकास समिति की बैठक उप विकास आयुक्त सुश्री श्वेता भारती की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष मे आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों, प्रशिक्षण की स्थिति एवं युवाओं को रोजगार से जोड़ने की पहल की समीक्षा की गई। बैठक में विशेष रूप से किशोरों को रोजगार अथवा स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से प्रशिक्षण पर जोर देने का निदेश दिया गया साथ ही कौशल एवं रोजगार की मांग के बीच अंतर का आकलन कर मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट उत्तीर्ण किशोरियों को कौशल विकास पर जोर दिया गया। उप विकास आयुक्त ने संबंधित विभागों को इच्छुक किशोरियों की सूची तैयार कर उनकी योग्यता एवं रुचि के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ने का निर्देश दिया, ताकि वे रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। इसके साथ ही युवाओं के लिए रोजगार मेला आयोजित करने, विभागीय समन्वय मजबूत करने तथा मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना, पीएम-सेतु एवं पीएम-प्रगति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। आगामी 3 दिसंबर, अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर दिव्यांगजनों को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया गया। बैठक में जिला नियोजन पदाधिकारी मुकुंद माधव, वाईपी अमन कुमार, डीपीओ आईसीडीएस शोभा सिन्हा, उद्योग महाप्रबंधक सुश्री प्रिया भारती, डीपीएम एजाजुल अंसारी, आईटीआई उप प्राचार्य सीतामढ़ी अविनाश कुमार, उप प्राचार्य बेलसंड आनंद मोहन, जीविका के जॉब मैनेजर अभिषेक कुमार, यूनिसेफ व प्रथम संस्था के जिला समन्वयक सुधीर कुमार, सेंटर हेड अमन कुमार, जिला कौशल प्रबंधक आदर्श कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रतिनिधि, आत्मा से कफील अहमद, आरसेटी निदेशक अनिल कुमार, जन शिक्षण संस्थान से काजल कुमारी एवं पुरुषोत्तम कुमार, लीड बैंक मैनेजर अनिल कुमार तथा सभी सीडीपीओ सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में उच्च शिक्षण संस्थानों के राजनीतिकरण पर किया आक्रोश व्यक्त

जिला कांग्रेस कमिटी के वरिष्ठ नेताओं की हुई अहम बैठक



गरीब दर्शन / सीतामढ़ी

गांधी मैदान ललित आश्रम में जिला कांग्रेस कमिटी के वरिष्ठ नेताओं की एक अहम बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश प्रतिनिधि मो. अफाक खान ने किया। बैठक में उच्च शिक्षण संस्थानों के राजनीतिकरण पर आक्रोश प्रकट किया गया। बैठक में इस बात की विशेष रूप से चर्चा हुई कि राधा कृष्ण गोयनका कॉलेज में कई विभागों में प्राध्यापक नहीं हैं। प्रायोगिक कक्षाएं नहीं होती। प्रिंसिपल की अनुपस्थिति भी चिंता का विषय है। इन कमियों को दूर करने की बजाए कॉलेज को राजनीति का अखाड़ा बना दिया गया है। सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा जनता को गुमराह करने के उद्देश्य से पार्टी का राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। लोकतंत्र और संविधान की खुलेआम धज्जियां उड़ाने वाले लोग विपक्ष पर आरोप लगा रहे हैं। शिक्षा के मंदिर में पढ़ाई पर चर्चा की बजाए राजनीतिक बयानबाजी कर शैक्षणिक माहौल बिगाड़ा जा रहा है। महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति को इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेना चाहिए। अपर मुख्य सचिव शिक्षा सीके अनिल से मांग है कि सीतामढ़ी जिला के शैक्षणिक संस्थानों में गिरावट के दोषी प्राचार्यों के विरुद्ध छात्र हित में कठोर कार्रवाई करें। उपरोक्त मांगों का समर्थन पूर्व मुख्य प्रवक्ता प्रमोद कुमार नील, रितेश रमण सिंह, डॉ. राजीव कुमार काजू, एएमयू छात्रसंघ के पूर्व सचिव मो. शम्स शाहनवाज, आफताब अंजुम बिहारी, ताराकांत झा, प्रो. राम प्रवेश कुशवाहा, ऋतु ठाकुर, सोहन प्रसाद, वीरेंद्र कुशवाहा, धीरज कुमार सिंह, डॉ. रोहन कुमार गुप्ता, एनएसयूआई अध्यक्ष सक्षम कुमार आदि ने किया है।

उप विकास आयुक्त ने संयुक्त श्रम भवन का किया निरीक्षण

गरीब दर्शन / शिवहर



उप विकास आयुक्त संजय कुमार द्वारा संयुक्त श्रम भवन का निरीक्षण किया गया। इस दौरान भवन एवं परिसर की वर्तमान स्थिति तथा उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के क्रम में भवन के रखरखाव, परिसर की साफ-सफाई एवं कार्यालयीय कार्यों के सुचारु संचालन से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। सरकारी परिसंपत्तियों का समुचित संधारण एवं उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना निरीक्षण का प्रमुख उद्देश्य रहा। संयुक्त श्रम भवन में सुव्यवस्थित कार्यालयीय वातावरण तथा आमजन के लिए सुविधाजनक व्यवस्था सुनिश्चित करने की दृष्टि से यह निरीक्षण किया गया।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए कैंप का होगा आयोजन

गरीब दर्शन / शिवहर



निर्वाचन विभाग से प्राप्त निदेश के आलोक में निर्वाचक सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2027 के तहत वैसे सभी पात्र नागरिक जिनका अभी तक निर्वाचक सूची में नाम शामिल नहीं हुआ है या जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण होने वाली हो के नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु दिनांक 21.11.2026 एवं 22.11.2026 तथा 05.12.2026 एवं 06.12.2026 को सभी मतदान केदो पर कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान की तैयारी हेतु आज अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, शिवहर द्वारा डुमरी कटसरी एवं शिवहर प्रखंड कार्यालय में सभी मतदान केंद्र पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ समीक्षात्मक बैठक की गई। कैंप के सफल आयोजन हेतु संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं सभी बीएलओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि उक्त तिथियो को सभी मतदान केंद्रों पर मतदान केंद्र पदाधिकारी सभी प्रपत्र के साथ उपलब्ध रहेंगे एवं लोगों से निर्वाचक सूची में नाम जोड़ने से संबंधित प्रपत्र एवं दावा और आपत्ति प्राप्त करेंगे। अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, शिवहर द्वारा लोगों से अपील किया गया की वैसे सभी पात्र नागरिक जिनका अभी तक निर्वाचक सूची में नाम शामिल नहीं हुआ हो या जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण होने वाली हो कैंप दिवस में प्रपत्र भरकर जमा करें ताकि उनका नाम निर्वाचक सूची में जोड़ा जा सके।

विश्व शौचालय दिवस पर "स्वच्छ शौचालय–गरिमामय भविष्य" अभियान

गरीब दर्शन / शिवहर

भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा विश्व शौचालय दिवस, 2026 के अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत "स्वच्छ शौचालय–गरिमामय भविष्य" अभियान की रूपरेखा निर्धारित की गई है। विभागीय पत्र के अनुसार अभियान की अवधि 19 नवंबर से 10 दिसंबर 2026 निर्धारित है। इसका समापन मानवाधिकार दिवस के अवसर पर होगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक एवं संस्थागत शौचालयों की कार्यशीलता, सुरक्षा, स्वच्छता एवं सुगम पहुंच में सुधार करना तथा उनके नियमित संचालन एवं रखरखाव में सामुदायिक भागीदारी को सुदृढ़ बनाना है। विशेष रूप से महिलाओं, छात्राओं एवं दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी गई है। अभियान के प्रमुख हैं सुरक्षित स्वच्छता एवं समान अवसर पर विशेष जोर,पत्र में विश्व शौचालय दिवस, 2026 की थीम अर्थात "सुरक्षित शौचालय, समान भविष्य" निर्धारित की गई है। इसके माध्यम से स्वच्छता सुविधाओं को मानवीय गरिमा, लैंगिक समानता, स्वास्थ्य तथा शिक्षा एवं सामाजिक जीवन में समान भागीदारी से जोड़ने पर बल दिया गया है। शौचालय सुविधाओं की योजना, प्रबंधन एवं रखरखाव में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जाना है। सामुदायिक एवं संस्थागत शौचालयों की स्थिति का आकलन अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वच्छता परिसरों तथा विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं पंचायत भवनों सहित अन्य संस्थागत शौचालयों की वर्तमान स्थिति का आकलन किया जाना है। आवश्यकतानुसार उनकी मरम्मत, पुनर्बहाली एवं रखरखाव के कार्य संबंधित संस्थाओं और विभागों के समन्वय से कराए जाने का प्रावधान है। व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों की आवश्यक मरम्मत एवं नियमित देखभाल के लिए परिवारों को भी प्रेरित किया जाएगा।पानी, प्रकाश एवं हाथ धोने की सुविधाओं की जांच शौचालयों के निरीक्षण एवं स्वमूल्यांकन के दौरान शौचालय पैन, मूत्रालय, नल एवं अन्य उपकरणों की उपलब्धता तथा कार्यशीलता की जांच की जाएगी। इसके साथ ही पानी, विद्युत अथवा प्रकाश व्यवस्था, साबुन से हाथ धोने की सुविधा, साफ-सफाई तथा मल के सुरक्षित संग्रहण की व्यवस्था का आकलन किया जाना है। चिह्नित कमियों के निराकरण और नियमित संचालन एवं रखरखाव की व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष ध्यान रहेगा।

महिलाओं, छात्राओं एवं दिव्यांगजनों की सुगम पहुंचः अभियान में यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है कि स्वच्छता सुविधाएं सभी उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षित एवं उपयोग योग्य हों। महिलाओं, छात्राओं तथा दिव्यांगजनों को शौचालयों के उपयोग में आने वाली बाधाओं की पहचान कर संबंधित प्राधिकारों के माध्यम से आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जानी है। ग्राम स्तर पर शौचालयों के प्रकार का आकलन कर चिह्नित एकल गड्ढे वाले शौचालयों को तकनीकी व्यवहार्यता एवं निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप दो गड्ढे वाले शौचालयों में परिवर्तित करने का प्रावधान है। इसी प्रकार, सोख्ता गड्ढे रहित सेप्टिक टैंक में आवश्यक तकनीकी सुधार पर बल दिया गया है। जहां आवश्यक हो, मल-कीचड़ की मशीन आधारित निकासी की आवश्यकता का आकलन एवं योजना तैयार की जानी है, ताकि उसका सुरक्षित प्रबंधन सुनिश्चित हो सके। गांवों की खुले में शौचमुक्त स्थिति बनाए रखने के लिए शौचालयों के नियमित उपयोग पर केंद्रित जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जानी हैं। सामुदायिक संवाद एवं व्यवहार परिवर्तन संचार के माध्यम से लोगों को शौचालय के निरंतर उपयोग, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा सार्वजनिक स्वच्छता परिसंपत्तियों की देखभाल के प्रति प्रेरित किया जाएगा। विद्यालयों में बच्चों को आयु के अनुरूप स्वच्छता, साबुन से हाथ धोने तथा व्यक्तिगत एवं सामुदायिक साफ-सफाई के महत्व से अवगत कराने का प्रावधान है। बड़े विद्यार्थियों को शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के मार्गदर्शन में विद्यालय की स्वच्छता सुविधाओं के आकलन से जोड़ा जा सकता है। इस दौरान छात्राओं एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शौचालयों की सुलभता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ग्राम पंचायतों, ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों, स्वयं सहायता समूहों, स्वच्छाग्रहियों, स्वच्छता कर्मियों, शिक्षकों, युवाओं एवं स्थानीय समुदाय की भागीदारी से अभियान को प्रभावी बनाने पर बल दिया गया है। सामुदायिक एवं संस्थागत शौचालयों की साफ-सफाई, स्थानीय भित्तिचित्र, संकेतक तथा आसपास के परिसर में सुधार के माध्यम से उन्हें स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं उपयोग के अनुकूल बनाने का प्रावधान है।

दिशा-निर्देशों के अनुसार जिन ग्राम पंचायतों में स्वच्छ सेवा आकलन लंबित है, वहां इसे 30 नवंबर 2026 तक पूरा किया जाना है। जहां आकलन प्रस्तुत किया जा चुका है, वहां चिह्नित कमियों के समाधान हेतु आवश्यक कार्यों पर चर्चा एवं आगे की कार्ययोजना तैयार की जानी है।उत्कृष्ट शौचालयों के चयन एवं सम्मान का प्रावधान अभियान में बेहतर रखरखाव वाले सामुदायिक, संस्थागत एवं व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतियोगिता एवं सम्मान की व्यवस्था प्रस्तावित है। प्रत्येक प्रखंड से दो उत्कृष्ट सामुदायिक तथा दो उत्कृष्ट संस्थागत शौचालयों की प्रविष्टियां जिला स्तर पर भेजने और उनमें से प्रत्येक श्रेणी में तीन सर्वश्रेष्ठ का चयन करने की रूपरेखा दी गई है। व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के लिए भी पंचायत, प्रखंड एवं जिला स्तर पर चयन का प्रावधान है।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 19 नवंबर को अभियान शुभारंभ एवं पंचायत स्तरीय बैठकों, 20 नवंबर से 8 दिसंबर तक आकलन, मरम्मत, तकनीकी सुधार एवं जनजागरूकता गतिविधियों तथा 9–10 दिसंबर को जिला एवं ग्राम पंचायत स्तर पर समापन कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित की गई है। समापन के दौरान अभियान के परिणामों, खुले में शौचमुक्त स्थिति की निरंतरता, ओडीएफ प्लस मॉडल स्थिति तथा स्वच्छ सेवा आकलन में चिह्नित कमियों के समाधान की समीक्षा का प्रावधान है।प्रगति का अभिलेखीकरण एवं व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों की प्रगति स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की निर्धारित ऑनलाइन प्रणाली में दर्ज की जानी है। सुधार से पूर्व एवं बाद की स्पष्ट, उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरों के माध्यम से कार्यों का दस्तावेजीकरण किया जाएगा। अभियान की गतिविधियों एवं उपलब्धियों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु हैशटैग के उपयोग के लिए कहा गया है।

आमजन से अपीलः जिलेवासियों से अपील है कि अपने घरों के शौचालयों का नियमित उपयोग एवं रखरखाव करें, सामुदायिक शौचालयों को स्वच्छ रखने में सहयोग दें तथा साबुन से हाथ धोने की आदत अपनाएं। महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों के लिए स्वच्छता सुविधाओं को सुरक्षित एवं सुलभ बनाने में सक्रिय योगदान दें।

महादलित टोले पहुंचे जिलाधिकारी ने अनुसूचित जाति बैठका का किया निरीक्षण

स्थानीय लोगों से संवाद कर सुनीं समस्याएं

गरीब दर्शन / सीतामढ़ी



जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने ग्राम पंचायत परिहार दक्षिणी स्थित महादलित टोले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कायाकल्प योजना के तहत निर्मित अनुसूचित जाति बैठका का निरीक्षण किया तथा निर्माण कार्य की स्थिति एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी ने टोले के स्थानीय लोगों एवं महिलाओं से सीधे संवाद किया। उन्होंने उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं स्थानीय स्तर पर आ रही कठिनाइयों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को जिलाधिकारी के समक्ष रखा। जिलाधिकारी ने सभी की बातें गंभीरतापूर्वक सुनीं और समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान की दिशा में मौके पर उपस्थित संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता बरतते हुए उनकी शिकायतों का नियमानुसार त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही सरकारी सुविधाओं एवं योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर संबंधित अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित कर्मी एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

मॉडल स्कूल में विद्यार्थियों के बीच पहुंचे जिलाधिकारी लिया शैक्षणिक व्यवस्था का लिया जायजा

कहा - मॉडल स्कूल केवल बेहतर भवन और आधुनिक संसाधनों तक नहीं हैं सीमित

गरीब दर्शन / सीतामढ़ी



जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने सरस्वती विद्या निकेतन (मॉडल स्कूल),परिहार का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया तथा विद्यालय की विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। सरकार द्वारा जिले में 21 मॉडल स्कूलों का निर्माण कराया गया है। इन विद्यालयों का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मॉडल स्कूलों में स्मार्ट क्लास, प्रयोगशाला, पुस्तकालय सहित अन्य आवश्यक शैक्षणिक सुविधाओं को विकसित किया गया है, ताकि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन का अवसर मिल सके।निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने विद्यालय के कक्षाओं, विज्ञान प्रयोगशाला, स्मार्ट क्लास/डिजिटल शिक्षण व्यवस्था, पुस्तकालय सहित विभिन्न संभागों का अवलोकन किया। उन्होंने उपलब्ध उपकरणों एवं संसाधनों के उपयोग की स्थिति की जानकारी ली तथा विद्यालय में साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। जिलाधिकारी ने कक्षा में पहुंचकर छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद किया। उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई, पसंदीदा विषय, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं तथा पढ़ाई के दौरान आने वाली समस्याओं के संबंध में फीडबैक लिया।

उनके इस सहज संवाद से विद्यार्थी भी काफी उत्साहित दिखे। जिलाधिकारी श्री सुल्तानिया ने कहा कि मॉडल स्कूल केवल बेहतर भवन और आधुनिक संसाधनों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सीखने के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है।उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग हो और प्रत्येक बच्चे को अपनी प्रतिभा एवं क्षमता विकसित करने का अवसर मिले, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। शिक्षक बच्चों की जिज्ञासा को प्रोत्साहित करें और विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के साथ अपने लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों को उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर निरंतर ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत संरचना के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर समान रूप से ध्यान देना जरूरी है। निरीक्षण के दौरान प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मी उपस्थित रहे।

उप विकास आयुक्त ने राज्य स्तरीय विद्यालय कराटे खेल प्रतियोगिता का किया उद्घाटन





गरीब दर्शन / शिवहर

खेल विभाग, बिहार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय विद्यालय कराटे खेल प्रतियोगिता 2026–27, बालक वर्ग अंडर–14, अंडर–17 एवं अंडर–19 का आज गांधी भवन में उप विकास आयुक्त संजय कुमार द्वारा उद्घाटन किया गया। 19 से 21 नवंबर, 2026 तक आयोजित इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यालय स्तर की खेल प्रतिभाओं को राज्य स्तरीय मंच पर अपनी क्षमता एवं कौशल प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम के अवसर पर उप विकास आयुक्त महोदय ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना, अनुशासन, निरंतर अभ्यास एवं परस्पर सम्मान के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का संदेश दिया। खेल भावना के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संदेश उप विकास आयुक्त महोदय ने अपने संबोधन में खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ नियमों का पालन, प्रतिद्वंद्वी के प्रति सम्मान तथा निर्णयों को सकारात्मक भाव से स्वीकार करना भी आवश्यक है। जीत खिलाड़ियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है, जबकि पराजय अपनी कमियों को पहचानने और बेहतर तैयारी करने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने खिलाड़ियों को परिणाम की चिंता से ऊपर उठकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने तथा प्रतियोगिता के अनुभवों से सीखते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

अनुशासन, आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व विकास में खेलों की महत्त्वपूर्ण भूमिकाः उप विकास आयुक्त महोदय ने खेलों के महत्त्व को रेखांकित करते हुए कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास का सशक्त माध्यम है। नियमित खेल अभ्यास से अनुशासन, धैर्य, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता एवं नेतृत्व जैसे गुणों का विकास होता है। कराटे जैसे खेल एकाग्रता, आत्मसंयम एवं शारीरिक दक्षता को बढ़ाने के साथ आत्मरक्षा के प्रति जागरूकता भी विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। राज्य स्तरीय आयोजन से स्थानीय खेल प्रतिभाओं को मिलेगा प्रोत्साहन उप विकास आयुक्त महोदय ने शिवहर में राज्य स्तरीय विद्यालय कराटे प्रतियोगिता के आयोजन को जिले के खेल वातावरण के लिए उत्साहवर्धक बताया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी शिवहर जिले में इसी प्रकार की राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होता रहे, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को प्रेरणा मिले तथा जिले में खेल संस्कृति को और मजबूती प्राप्त हो।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ एक-दूसरे की तकनीक, तैयारी एवं अनुभवों से सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। इससे विद्यार्थियों एवं युवाओं में खेलों के प्रति रुचि और सहभागिता बढ़ती है। तीन आयु वर्गों में आयोजित हो रही प्रतियोगिता गांधी भवन, शिवहर में आयोजित इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में बालक वर्ग के अंडर–14, अंडर–17 एवं अंडर–19 आयु समूहों के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन जिला प्रशासन, शिवहर द्वारा बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना के सहयोग से किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में अपर समाहर्ता, अनुमंडल दंडाधिकारी, निदेशक एन.ई.पी., निदेशक लेखा-सह-खेल उपाधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं खेल विभाग के कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिलाधिकारी ने परिहार प्रखंड - अंचल कार्यालयों का किया निरीक्षण



विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन तथा आमजन से संबंधित सेवाओं की स्थिति का लिया जायजा

गरीब दर्शन / सीतामढ़ी

जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया द्वारा परिहार प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयों में संचालित प्रशासनिक कार्यों, विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन तथा आमजन से संबंधित सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने प्रखंड एवं अंचल स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न विकासात्मक एवं राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि काया कल्प अभियान को धरातल पर उतारने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करें। कायाकल्प अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।बैठक में इसके अतिरिक्त डिग्री कॉलेज, विभिन्न पेंशन योजना के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति, महादलित टोलों में शौचालय निर्माण, पंचायत सरकार भवन निर्माण की स्थिति, स्वच्छता अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण इत्यादि को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने कार्यालयों में संधारित विभिन्न पंजियों का भी अवलोकन किया। इस क्रम में कैश बुक, आगत-निर्गत पंजी, उपस्थिति पंजी सहित अन्य अभिलेखों का निरीक्षण कर उनके संधारण एवं अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने सभी अभिलेखों को नियमानुसार अद्यतन रखने तथा कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने का निर्देश दिया।

उन्होंने दाखिल - खारिज, परिमार्जन एवं राजस्व से जुड़े अन्य मामलों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने लंबित मामलों का नियमानुसार एवं समय-सीमा के भीतर निष्पादन करने का निर्देश दिया। बैठक के पश्चात जिलाधिकारी ने प्रखंड एवं अंचल कार्यालय परिसर का भ्रमण किया तथा विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों में संचालित कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित कर्मियों से उनके कार्यों की जानकारी ली और निर्देश दिया कि जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित किया जाए। जिलाधिकारी ने कार्यालय परिसर में साफ-सफाई एवं व्यवस्थित वातावरण बनाए रखने का भी निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ निर्वहन करने का निर्देश दिया। मौके पर बीडीओ एवं सीओ परिहार के साथ प्रखंड के प्रखंड स्तरीय सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार कार की टक्कर से 44 वर्षीय युवक की मौत, पत्नी के सामने हुआ हादसा

गरीब दर्शन/बेतिया

साठी थाना क्षेत्र के बसंतपुर मोड़ पर तेज रफ्तार कार की टक्कर से 44 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान बसंतपुर निवासी मुन्ना प्रसाद उर्फ ज्योति प्रकाश के रूप में हुई है। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा है। मिली जानकारी के अनुसार, मुन्ना प्रसाद अपनी पत्नी के साथ किसी काम से चनपटिया से नरकटियागंज जा रहे थे। बसंतपुर मोड़ के पास ऑटो से उतरने के बाद दोनों सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान उत्तर प्रदेश नंबर की एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर उनकी ओर आ गई और जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में गंभीर रूप से घायल मुन्ना प्रसाद को इलाज के लिए जीएमसीएच में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी सरकारी शिक्षिका हैं। घटना की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। पत्नी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही साठी थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। थानाध्यक्ष चंद्रशेखर प्रसाद ने बताया कि पुलिस टीम को तत्काल मौके पर भेजा गया था। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के बाद जेसीबी की मदद से कार को हटाया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार और बाइक को जब्त कर लिया है।

मुख्यमंत्री के संभावित दौरे से पहले विद्यालयों की बदलेगी सूरत, दो दिनों में रंग-रोगन का निर्देश

गरीब दर्शन/वाल्मीकिनगर

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के संभावित वाल्मीकिनगर दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में शिक्षा विभाग ने बगहा-2 प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों की साफ-सफाई और रंग-रोगन कर उनकी सूरत बदलने का निर्देश दिया है। कायाकल्प कार्यक्रम के तहत सभी विद्यालयों को दो दिनों के भीतर रंग-रोगन का कार्य पूरा करने को कहा गया है। गुरुवार को वाल्मीकिनगर स्थित प्रखंड शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में पश्चिम चंपारण के जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें बगहा-2 प्रखंड के करीब 250 विद्यालयों के प्रधानाध्यापक शामिल हुए। बैठक में विद्यालयों की स्थिति बेहतर बनाने और निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री का वाल्मीकिनगर आगमन संभावित है। इसे देखते हुए कायाकल्प कार्यक्रम के तहत सभी विद्यालयों को तत्काल रंग-रोगन कराने का निर्देश दिया गया है। बैठक में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी साक्षी मिश्रा के अलावा प्रधानाध्यापक मनोज कुमार, लखन प्रसाद, शत्रुघ्न कुमार, कौशल कुमार, सुनीता कुमारी सहित अन्य अधिकारी और प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

टीबी के लक्षणों की समय पर पहचान और पूरा इलाज जरूरी : नितेश पटेल



गरीब दर्शन/बेतिया

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत गुरुवार को राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय सेनुवरिया और राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय मलाही में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मेरा युवा भारत की जिला युवा अधिकारी अंकिता के नेतृत्व में प्रखंड कोऑर्डिनेटर नितेश पटेल ने विद्यार्थियों को टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार की जानकारी दी। नितेश पटेल ने कहा कि टीबी की समय पर पहचान और नियमित इलाज से इस बीमारी को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। लगातार दो सप्ताह या उससे अधिक खांसी, बुखार, वजन कम होना और रात में पसीना आना इसके प्रमुख लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र में जांच करानी चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में टीबी की जांच और इलाज निःशुल्क उपलब्ध है। साथ ही मरीजों को पोषण सहायता के लिए सरकार की ओर से आर्थिक मदद भी दी जाती है। दोनों विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने कहा कि बच्चों और युवाओं में जागरूकता बढ़ने से टीबी के खिलाफ अभियान को मजबूती मिलेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से इस जानकारी को अपने परिवार और आसपास के लोगों तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम में दोनों विद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वाल्मीकिनगर से जल्द शुरू होगी हवाई सेवा, सांसद ने एयरपोर्ट का किया निरीक्षण

गरीब दर्शन/वाल्मीकिनगर

वाल्मीकिनगर से हवाई सेवा शुरू करने की दिशा में चल रहे कार्यों में तेजी लाई जा रही है। तकनीकी कमियों को दूर करने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही क्षेत्र के लोगों को हवाई यात्रा की सुविधा मिल सकती है। यह जानकारी वाल्मीकिनगर सांसद सुनील कुमार ने बुधवार शाम एयरपोर्ट के निरीक्षण के दौरान दी। सांसद सुनील कुमार, जो एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की जिला संचालन समिति के अध्यक्ष भी हैं, ने एयरपोर्ट परिसर का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि हवाई सेवा शुरू करने में आ रही समस्याओं का समाधान तेजी से किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान संबंधित तकनीकी पहलुओं की भी जानकारी ली गई। क्षेत्र भ्रमण के दौरान सांसद ने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। एयरपोर्ट निरीक्षण के क्रम में वे ठाड़ी स्थित सशस्त्र सीमा बल की बीओपी भी पहुंचे। वहां चौकी प्रभारी हरिश्चंद्र सिंह से औपचारिक मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात के संबंध में सांसद ने कोई टिप्पणी नहीं की। इस अवसर पर जदयू के वरिष्ठ नेता राकेश कुमार सिंह, बगहा-2 के अंचलाधिकारी वसीम अकरम, वाल्मीकिनगर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक राजेश कुमार, जितेंद्र कुशवाहा, धर्मजीत सिंह, हरेंद्र कुशवाहा, अखिलेश जायसवाल, मुन्ना साहनी सहित ग्रामीण और जदयू कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हथुआ में 99 लाख के साइन बोर्ड हवा में गायब सालभर में ही उजड़ गई विकास की तस्वीर

गरीब दर्शन/हथुआ/गोपालगंज



- 22 वार्डों में लगाए गए करीब 300 बोर्ड बदहाल, कहीं लोहे का ढांचा बचा तो कहीं नामोनिशान तक नहीं

हथुआ नगर पंचायत में सरकारी राशि से कराए गए विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर पंचायत के सभी 22 वार्डों में प्रमुख स्थानों पर लगाए गए करीब 300 साइन बोर्ड एक साल के भीतर ही बदहाल हो गए। कहीं बोर्ड गिरकर नष्ट हो चुके हैं तो कहीं केवल लोहे का ढांचा बचा है। कई जगहों पर बोर्ड पर लिखे नाम और अक्षर मिट चुके हैं, जबकि कुछ स्थानों से बोर्ड पूरी तरह गायब हैं। इतनी कम अवधि में बोर्डों की यह हालत सरकारी राशि के उपयोग और कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। जानकारी के अनुसार, प्रत्येक साइन बोर्ड पर 32,999 रुपये खर्च किए गए थे। इस हिसाब से करीब 300 बोर्डों पर कुल 98 लाख 99 हजार 700 रुपये यानी लगभग 99 लाख रुपये खर्च हुए। इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद बोर्डों का एक साल भी टिक नहीं पाना निर्माण सामग्री और कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है। हैरानी यह भी है कि कई स्थानों पर एक ही नाम के दो से तीन बोर्ड लगाए गए थे।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि बोर्ड लगाने में शुरुआत से ही घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया। यही कारण है कि हल्की हवा और बारिश में स्टीकर उखड़ने लगे और कई बोर्ड गिर गए। इससे राहगीरों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रही। लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद संबंधित एजेंसी के खिलाफ अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस मामले में नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी रोशन कुमार और अध्यक्ष किरण देवी की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्यों की गुणवत्ता की समुचित जांच किए बिना भुगतान कर दिया गया। वहीं, एक ही नाम से लगाए गए अतिरिक्त बोर्डों को हटाने और उनके गायब होने को लेकर भी जवाबदेही तय करने की मांग उठ रही है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

नगरवासियों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, खर्च की गई राशि का ब्योरा सार्वजनिक करने और दोषी ठेकेदार के साथ जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। लोगों ने चेतावनी दी है कि निष्पक्ष जांच नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा। वहीं, कार्यपालक पदाधिकारी रोशन कुमार ने बताया कि मामले को लेकर संबंधित ठेकेदार को निर्देश दिया गया है कि जल्द से जल्द इसका निष्पादन किया जाए।

चंद्रावत नदी और तूरकाहा नाला से हटेगा अतिक्रमण, 400 से अधिक लोगों को नोटिस



गरीब दर्शन/बेतिया

नगर से गुजरने वाली ऐतिहासिक चंद्रावत नदी और लौरिया नगर पंचायत के तूरकाहा नाला को अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा। इन दोनों जलस्रोतों पर अतिक्रमण कर मकान, दुकान, झोपड़ी और गुमटी बनाने वाले 400 से अधिक लोगों को चिह्नित कर नोटिस जारी किया गया है। नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद अतिक्रमण हटाने के लिए कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर बुलडोजर भी चलाया जा सकता है। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों स्थानों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण के कारण नदी और नाले का प्राकृतिक प्रवाह बाधित हो रहा है। इसका असर जलनिकासी व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बारिश के दौरान जलजमाव की गंभीर स्थिति बन जाती है और नगरीय क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं। प्रशासन की योजना है कि अतिक्रमण हटाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन का सहयोग लिया जाएगा। अभियान पूरा होने के बाद चंद्रावत नदी और तूरकाहा नाले की सफाई कराई जाएगी। इसके साथ ही चंद्रावत नदी के सौंदर्यीकरण की भी योजना है। ऐतिहासिक चंद्रावत नदी और तूरकाहा नाले को अतिक्रमणमुक्त कराना नगरीय क्षेत्र में जलनिकासी व्यवस्था बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि, अब सबकी नजर प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी है।

26 नवंबर को बेतिया में प्रस्तावित पदयात्रा में शामिल हो सकते हैं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी



गरीब दर्शन/बेतिया

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आगामी 26 नवंबर को बेतिया में आयोजित पदयात्रा में शामिल होने की संभावना है। भाजपा की ओर से प्रस्तावित यह पदयात्रा सागर पोखरा से शुरू होकर राजड्योढ़ी तक जाएगी। इसका विषय 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रखा गया है। मुख्यमंत्री इस दौरान नौतन प्रखंड की जमुनिया पंचायत में चल रहे विकास कार्यों का जायजा भी ले सकते हैं। मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम की गतिविधियां 21 नवंबर से शुरू होकर 26 नवंबर तक चलेंगी। पदयात्रा में विभिन्न स्तरों के जनप्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सदस्यों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर पूर्व में बैठक भी आयोजित की गई थी। इसमें पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पंचायत एवं अन्य जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए थे। मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को देखते हुए प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। हालांकि, उनके कार्यक्रम की आधिकारिक पुष्टि और विस्तृत कार्यक्रम का इंतजार है।

पैतृक गांव के आगमन को लेकर फुलवरिया में उत्सव जैसा माहौल, दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है घर

गरीब दर्शन/फुलवरिया/ गोपालगंज



- लालू-राबड़ी और रोहिणी के स्वागत को बेताब फुलवरिया, गांव में उत्सव

राजद सुप्रीमो और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी तथा उनकी बेटी डॉ. रोहिणी आचार्य के आगमन को लेकर उनका पैतृक गांव फुलवरिया पूरी तरह सज-धज कर तैयार है. लंबे अंतराल के बाद अपने जन्मभूमि फुलवरिया के लाल के घर लौटने की खबर से पूरे इलाके में जबरदस्त उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई है. गांव के बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक में अपने प्रिय नेता की एक झलक पाने और उनका स्वागत करने के लिए भारी उत्सुकता देखी जा रही है. इस बहुप्रतीक्षित दौरे की जानकारी देते हुए लालू प्रसाद यादव के बड़े भाई स्वर्गीय गुलाब यादव के ज्येष्ठ पुत्र नीतीश कुमार यादव ने बताया कि चाचा लालू प्रसाद यादव काफी लंबे समय के बाद अपने पैतृक आवास आ रहे हैं. उनके स्वागत के लिए पूरा फुलवरिया और आसपास का क्षेत्र पलक-पांवड़े बिछाए तैयार है. उन्होंने आगे बताया कि लालू प्रसाद यादव के आगमन की सूचना मिलते ही परिवार के सभी सदस्य घर की साफ-सफाई, रंग-रोगन और भव्य स्वागत की तैयारियों में जोर-शोर से जुट गए हैं. पैतृक आवास को किसी दुल्हन की तरह आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है, ताकि घर लौटने पर उन्हें अपनत्व और उत्सव का अहसास हो सके. नीतीश कुमार यादव के अनुसार, तय कार्यक्रम के तहत लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और रोहिणी आचार्य आज फुलवरिया पहुंचेंगे और एक रात अपने पैतृक घर पर ही विश्राम करेंगे. इस प्रवास के दौरान राजद सुप्रीमो गांव के पुराने साथियों, शुभचिंतकों और स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जानेंगे. इधर, वीआईपी मूवमेंट को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं. जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए जा रहे हैं और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं. कुल मिलाकर, लालू परिवार के इस आगमन ने फुलवरिया की फिजाओं में राजनीतिक और भावनात्मक दोनों तरह की गर्माहट भर दी है।

प्रोन्नत वनपालों का सात दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, वन्यजीव संरक्षण की सीखेंगे बारीकियां



गरीब दर्शन/वाल्मीकिनगर

वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना में गुरुवार से 37 प्रोन्नत वनपालों का सात दिवसीय विभागीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। वन विभाग की ओर से आयोजित इस प्रशिक्षण में वनपालों को टाइगर रिजर्व की भौगोलिक स्थिति, प्रबंधन व्यवस्था, वन संपदा और वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी जाएगी। राज्य वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, गया से आए सभी 37 वनपाल वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना के वन प्रमंडल-2 स्थित वाल्मीकि सभागार पहुंचे। यहां सभागार के ऑडियो-वीडियो हॉल में प्रशिक्षण की शुरुआत की गई। इसके तहत वनपालों को चलचित्र के माध्यम से जंगल और वन्यजीवों से संबंधित जानकारियां दी जा रही हैं। साथ ही वन क्षेत्र में ले जाकर उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र के रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान वनपालों को पेड़-पौधों की पहचान, वन्यजीवों और पक्षियों के स्वभाव, जंगल के प्रकार तथा वन प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा शिकारियों से वन्यजीवों की सुरक्षा, वन संपदा के संरक्षण और जंगल के विकास से जुड़े पहलुओं पर भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सात दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण से वनकर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी। इससे वन क्षेत्र में वन संपदा और वन्यजीवों की सुरक्षा, संरक्षण एवं प्रबंधन के कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में मदद मिलेगी।

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर हथुआ में बैठक, दो चरणों में चलेगा विशेष अभियान



गरीब दर्शन/हथुआ/गोपालगंज

निर्वाचक सूची के विशेष पुनरीक्षण-2027 को लेकर गुरुवार को हथुआ अनुमंडल कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी, हथुआ की अध्यक्षता में हुई बैठक में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) और पर्यवेक्षक शामिल हुए। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण किया जाना है। इसके लिए दो चरणों में विशेष अभियान दिवस निर्धारित किए गए हैं। प्रथम चरण में 21 और 22 नवंबर तथा दूसरे चरण में 5 और 6 दिसंबर को अभियान चलाया जाएगा।

बैठक में सभी बीएलओ और पर्यवेक्षकों को निर्धारित तिथियों पर अपने मतदान केंद्रों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया। दावा और आपत्ति प्राप्त करने के लिए प्रपत्र 6, 7 और 8 पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रखने को कहा गया। साथ ही पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करने और मतदाताओं को आवश्यक जानकारी देने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों का व्यवस्थित अभिलेख रखने, बीएलओ एप के माध्यम से आवेदन भरने तथा प्रतिदिन प्राप्त आवेदनों का क्षेत्र सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में स्पष्ट किया गया कि अभियान के दौरान कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित नहीं रहना चाहिए।

सुरवल स्टेट हाईवे पर प्रस्तावित टोल प्लाजा के खिलाफ महागठबंधन का धरना, प्रस्ताव वापस लेने की मांग

गरीब दर्शन/गोपालगंज



बरौली प्रखंड के सुरवल स्टेट हाईवे पर प्रस्तावित टोल प्लाजा के विरोध में महागठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने धरना-प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने टोल प्लाजा का प्रस्ताव तत्काल वापस लेने की मांग की। धरने की अध्यक्षता राजद जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह ने की। धरने को संबोधित करते हुए दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि प्रस्तावित टोल प्लाजा आम जनता के हितों के खिलाफ है। महंगाई और बेरोजगारी से पहले से परेशान लोगों पर टोल टैक्स का अतिरिक्त बोझ डालना उचित नहीं है। इससे सुरवल स्टेट हाईवे से प्रतिदिन आवागमन करने वाले स्थानीय निवासियों, किसानों, व्यवसायियों, नौकरीपेशा लोगों और आम नागरिकों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि सड़कें जनता की सुविधा और क्षेत्र के विकास के लिए बनाई जाती हैं, न कि आम लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डालने के लिए। सरकार को जनहित को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव को तत्काल वापस लेना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक टोल प्लाजा का प्रस्ताव वापस नहीं लिया जाता, तब तक महागठबंधन का लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रहेगा। धरने में राजद के प्रधान महासचिव इम्तेयाज अली भुट्टो, मोहित गुप्ता, सुनील कुमार बारी, सुमन कुमार यादव, संतोष यादव, पिंटू पांडेय, अरुण यादव, सुरेश प्रसाद यादव, शकील अख्तर, रामपुकार यादव, सरफराज आलम, राजेंद्र प्रसाद यादव, हुमायूं जफर, इसराफिल हुसैन, अली हुसैन, ओम गुप्ता, राजेश राम, मैनेजर सिंह, काशीनाथ यादव, ब्रजेश यादव, महंत चौधरी, मैनुद्दीन आलम और एजाजुल हक सहित महागठबंधन के कई नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस ने दो अमेरिकी पिस्टल और चार कारतूस के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

गरीब दर्शन/बगहा



बगहा पुलिस जिला के धनहा थाना क्षेत्र स्थित गौतम बुद्ध धनहा पुलिस चेकपोस्ट पर बुधवार देर शाम वाहन जांच के दौरान पुलिस ने दो अमेरिकी निर्मित पिस्टल और चार जिंदा कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार युवक की पहचान पटखौली थाना क्षेत्र के मंगलपुर औसानी हॉल्ट गांव निवासी सूरज कुमार प्रजापति (20) के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, वह हथियारों को बेचने के लिए गोरखपुर ले जा रहा था।धनहा थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि जिला मुख्यालय बेतिया स्थित सेनको गोल्ड एंड डायमंड शोरूम में दिनदहाड़े हुई लूट के बाद पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देश पर विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान चौतरवा की ओर से एक ऑटो चेकपोस्ट पर पहुंचा. पुलिस ने उसे रोककर तलाशी शुरू की तो ऑटो में सवार एक युवक बैग लेकर भागने लगा।उसकी संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया।बैग की तलाशी लेने पर उसमें दो अमेरिकी निर्मित पिस्टल और चार जिंदा कारतूस मिले।

मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से परेशान शहरवासी, फॉगिंग व्यवस्था पर उठे सवाल

गरीब दर्शन/बेतिया

बेतिया शहर में मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ने से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। शहर के कई मोहल्लों में दिन-रात मच्छरों का आतंक है। घरों में भी लोगों को चैन से बैठना मुश्किल हो रहा है। इसके बावजूद नगर निगम की ओर से कराई जा रही फॉगिंग का अपेक्षित असर दिखाई नहीं दे रहा है। इसको लेकर शहरवासियों ने नगर निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। नगर निगम की फॉगिंग मशीन के संचालन में 16 मिनट के दौरान 25 लीटर डीजल की खपत होने की बात कही जा रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि हर साल फॉगिंग पर लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद शहरवासियों को मच्छरों से राहत क्यों नहीं मिल रही है। भारी-भरकम होल्डिंग टैक्स देने के बाद भी नागरिक बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान हैं। इस मामले में उपमहापौर प्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता रमण गुप्ता ने कहा कि नगर निगम की जिम्मेदारी केवल फॉगिंग कराने का दावा करना नहीं, बल्कि सभी वार्डों में प्रभावी मच्छर नियंत्रण सुनिश्चित करना है। यदि 16 मिनट में 25 लीटर डीजल की खपत हो रही है, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि फॉगिंग किन क्षेत्रों में और



कितनी प्रभावी तरीके से कराई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यवस्था पर सवाल उठाने वाले नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन पर व्यक्तिगत आरोप लगाए जाते हैं। फर्जी सोशल मीडिया आईडी के माध्यम से छवि खराब करने की कोशिश भी होती है। उन्होंने कहा कि जनहित में सवाल उठाना कोई अपराध नहीं है। रमण गुप्ता ने नगर निगम प्रशासन से सभी 46 वार्डों में नियमित फॉगिंग, नालों की सफाई और जलजमाव रोकने के लिए अभियान चलाने की मांग की। साथ ही फॉगिंग कार्य की निगरानी और जिम्मेदार अधिकारियों एवं एजेंसियों की जवाबदेही तय करने की बात कही। उन्होंने कहा कि शहर की जनता को आश्वासन नहीं, मच्छरों से राहत चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

ट्रक और कार के बीच टक्कर, ओवरटेक के दौरान हुआ हादसा; बाल-बाल बचे कार सवार

गरीब दर्शन /कुदरा / (कैमूर)



कैमूर जिले के कुदरा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-19 पर चिलबिली गांव के समीप गुरुवार की शाम ट्रक और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब कार चालक ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई। हालांकि, इस दुर्घटना में कार सवार लोग बाल-बाल बच गए और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रक पश्चिम बंगाल से फैजाबाद की ओर जा रहा था। इसी दौरान कुदरा के निकट चिलबिली गांव के समीप ओवरटेक करने के प्रयास में कार और ट्रक के बीच टक्कर हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं, सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लगने से एनएच-19 पर कुछ देर के लिए जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम और कुदरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद जाम हटवाया और यातायात व्यवस्था को सुचारु कराया। फिलहाल घटनास्थल पर यातायात सामान्य हो गया है।

बस में अचानक बिगड़ी युवक की तबीयत, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

♦ हार्ट अटैक की आशंका, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा

गरीब दर्शन /दुर्गावती/ (कैमूर)



कैमूर जिले के दुर्गावती थाना क्षेत्र अंतर्गत कर्मनाशा पावर हाउस के समीप बुधवार की मध्यरात्रि करीब 12 बजे बस में सफर कर रहे उत्तर प्रदेश निवासी एक 25 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बस में अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण हार्ट अटैक होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम, गश्ती दल और सरकारी एंबुलेंस मौके पर पहुंची। इसके बाद युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), दुर्गावती लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के नरकुलछेपरा, मठिया बुजुर्ग निवासी राम किशुन यादव के पुत्र नीरज कुमार यादव (25 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि परिजन गुरुवार को करीब एक बजे भभुआ सदर अस्पताल पहुंचे। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

एससी-एसटी अत्याचार के मामलों में त्वरित कार्रवाई का डीएम ने दिया निर्देश

♦ 261 पीड़ितों को 86.80 लाख रुपये से अधिक मुआवजा, मृतक के आश्रित को मिली सरकारी नौकरी

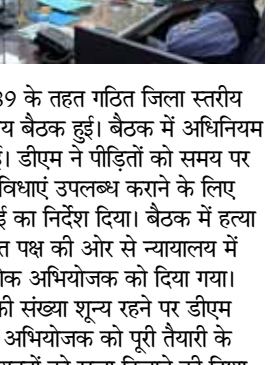
गरीब दर्शन/सहरसा



जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में गुरुवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की तृतीय बैठक हुई। बैठक में अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की समीक्षा की गई। डीएम ने पीड़ितों को समय पर न्याय, मुआवजा और अन्य सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। बैठक में हत्या और दुष्कर्म जैसे गंभीर मामलों में पीड़ित पक्ष की ओर से न्यायालय में प्रभावी पैरवी करने का निर्देश विशेष लोक अभियोजक को दिया गया। जून और अगस्त 2026 में दोषसिद्धि की संख्या शून्य रहने पर डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने विशेष लोक अभियोजक को पूरी तैयारी के साथ न्यायालय में पक्ष रखने और अभियुक्तों को सजा दिलाने की दिशा में गंभीरता से काम करने को कहा। जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि हत्याकांड के 29 मृतकों के आश्रितों को जुलाई 2026 तक पेंशन का भुगतान किया गया है। वहीं, 20 जून से 24 सितंबर 2026 के बीच कुल 261 पीड़ितों को 86 लाख 80 हजार 310 रुपये मुआवजा दिया गया है। इसके अतिरिक्त सौरबाजार थाना कांड संख्या 171/23 के मृतक के आश्रित पुत्रवधू बबीता देवी को कार्यालय परिचारी के पद पर सरकारी नौकरी दी गई है। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। पीड़ितों को नियमानुसार मुआवजा और अन्य सरकारी लाभ समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मंत्री, सांसद और विधायक के प्रतिनिधियों के अलावा पुलिस उपाधीक्षक, जिला कल्याण पदाधिकारी, विशेष लोक अभियोजक सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

इंदिरा गांधी की जयंती पर कांग्रेसजनों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

गरीब दर्शन/सहरसा



पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित इंदिरा गांधी की जयंती पर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश कुमार झा ने कहा कि इंदिरा गांधी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री थीं। उन्होंने 1966 से 1977 तक और फिर 1980 से 1984 तक देश का नेतृत्व किया। वर्ष 1983 से 1984 तक उन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन की अध्यक्ष के रूप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी का संपूर्ण जीवन देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के साथ गरीबों, किसानों एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उनके दृढ़ नेतृत्व, साहसिक निर्णयों और दूरदर्शी सोच ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की पहचान को मजबूत किया। मुकेश कुमार झा ने कहा कि इंदिरा गांधी का व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान सदैव देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। उनके विचारों, संघर्षों और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने और देशसेवा के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम में बैद्यनाथ झा सहित जिला कांग्रेस कमेटी के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्व कार्यों में लापरवाही पर कैमूर डीएम सख्त, तीन अंचलों के अधिकारियों और कर्मियों पर गिरी गाज

गरीब दर्शन /कैमूर/ (भभुआ)

❐ रामगढ़ के राजस्व अधिकारी पर आरोप पत्र गठित करने का आदेश, भगवानपुर में दो कर्मियों का 10 दिनों का वेतन स्थगित, अधौरा में दोषी अंचलकर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश

जिले में राजस्व कार्यों में लापरवाही, अनियमितता और कथित भ्रष्टाचार को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। विभिन्न अंचलों में प्राप्त शिकायतों और जांच प्रतिवेदनों के आधार पर जिला पदाधिकारी ने रामगढ़, भगवानपुर और अधौरा अंचल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया है। इस कार्रवाई के तहत रामगढ़ के राजस्व अधिकारी के विरुद्ध आरोप पत्र गठित कर विभाग को भेजने, भगवानपुर के अंचलाधिकारी एवं संबंधित राजस्व कर्मचारी का 10 दिनों का वेतन स्थगित करने तथा अधौरा में दोषी अंचलकर्मियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश दिया गया है। समाहरणालय स्थित जिला जनसंपर्क कार्यालय से 19 नवंबर 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जिले में राजस्व प्रशासन को पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुख बनाने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी ने विभिन्न अंचलों में राजस्व कार्यों की समीक्षा की। साथ ही आम लोगों से प्राप्त शिकायतों की जांच भी कराई गई। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि दाखिल-खारिज, परिमार्जन, भूमि विवाद, जमीन की मापी, सरकारी भूमि की सुरक्षा, अतिक्रमणवाद और भूमि बंदोबस्ती जैसे कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।रामगढ़ अंचल में दाखिल-खारिज से संबंधित कार्यों के निष्पादन के दौरान बिचौलिया द्वारा राशि लेने की शिकायत मिली थी। इस मामले में भूमि सुधार उप समाहर्ता के माध्यम से जांच कराई गई। इसके अलावा जिला पदाधिकारी ने स्वयं भी रामगढ़ अंचल के राजस्व कार्यों की समीक्षा और औचक निरीक्षण किया था। जांच एवं समीक्षा के दौरान मामला अनावश्यक रूप से लंबित रखने और बिचौलियों की संलिप्तता से संबंधित तथ्य सामने आए। इसे गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी ने संबंधित राजस्व अधिकारी, रामगढ़ के विरुद्ध आरोप पत्र गठित कर विभाग को अग्रसारित करने का निर्देश अनुमंडल पदाधिकारी को दिया है।

वहीं, भगवानपुर अंचल में परिमार्जन से संबंधित कार्यों को लंबित रखने और रद्द किए जाने को लेकर शिकायत प्राप्त हुई थी। जांच के दौरान कार्यों में अनियमितता और लापरवाही सामने आई। इस संबंध में अंचलाधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया था, लेकिन उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद जिला पदाधिकारी ने अंचलाधिकारी, भगवानपुर एवं संबंधित राजस्व कर्मचारी का 10 दिनों का वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया है।इधर, अधौरा अंचल में बंदोबस्ती एवं बासगीत पर्चा से संबंधित मामलों में गलत प्रविष्टि, फर्जीवाड़ा और अनियमितता की शिकायत सामने आई थी। इस मामले में अंचलाधिकारी द्वारा भी प्रतिवेदन दिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी एवं भूमि सुधार उप समाहर्ता के माध्यम से जांच कराई गई। जांच में निचले स्तर के अंचलकर्मियों द्वारा बंदोबस्ती एवं बासगीत पर्चा से जुड़े कार्यों में अनियमितता और फर्जीवाड़ा किए जाने के आरोप सही पाए गए। इसके बाद जिला पदाधिकारी ने संबंधित दोषी अंचलकर्मियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई करने और प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश अंचलाधिकारी, अधौरा को दिया है।

जिला पदाधिकारी ने जिले के सभी अंचलाधिकारियों एवं राजस्व पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि राजस्व से जुड़े सभी कार्यों का निष्पादन निर्धारित समय-सीमा के भीतर पारदर्शी और नियमानुसार किया जाए। दाखिल-खारिज, परिमार्जन, ई-मापी, भू-समाधान, भूमि विवादों के निपटारे, अतिक्रमण हटाने और सरकारी भूमि के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को जमीन और राजस्व संबंधी कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़े। सभी लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर विधि सम्मत निष्पादन किया जाए। कार्यों में लापरवाही, अनियमितता या भ्रष्ट आचरण पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राजस्व व्यवस्था में पारदर्शिता, सुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आगे भी नियमित समीक्षा और कार्रवाई जारी रहेगी।

नन्हे खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को मिलेगा मंच, रेवाड़ी में आज एथलेटिक्स चैंपियनशिप

गरीब दर्शन/रेवाड़ी

▪ तीन आयु वर्गों में होगी प्रतिस्पर्धा, जिले के गांवों और शहरों के बच्चे लेंगे हिस्सा

जिले के नन्हे खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के लिए शुक्रवार को तीसरी जिला स्तरीय किड्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। गांव माजरा श्यौराज स्थित यूएसए स्पोर्ट्स एकेडमी में सुबह 8 बजे प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा। इसमें जिले के विभिन्न गांवों और शहरों से लड़के एवं लड़कियां हिस्सा लेंगे। जिला रेवाड़ी एथलेटिक्स संघ के प्रधान दीर सिंह सरपंच और सचिव विशाल यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में अंडर-8, अंडर-10 और अंडर-12 आयु वर्ग के बच्चे भाग लेंगे। अंडर-12 में वर्ष 2015 और 2016, अंडर-10 में वर्ष 2017 और 2018 तथा अंडर-8 में वर्ष 2019 और 2020 में जन्मे बच्चे हिस्सा ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य छोटी उम्र से ही बच्चों में खेलों के प्रति रुचि विकसित करना और ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देना है। ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी क्षमता निखारने और जिला एवं राज्य स्तर पर पहचान बनाने का मंच प्रदान करते हैं। यूएसए स्पोर्ट्स एकेडमी के कोच उपेश बॉक्सर ने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे अनुशासन, आत्मविश्वास, मेहनत और टीम भावना विकसित होती है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को खेलों के लिए प्रोत्साहित करने और प्रतियोगिता में पहुंचकर उनका उत्साह बढ़ाने की अपील की। आयोजन में सरपंच एसोसिएशन खंड रेवाड़ी के प्रधान जयको राव और गांव माजरा श्यौराज के लंबरदार बलवान सिंह का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन रहेगा। आयोजकों ने अभिभावकों और खेल प्रेमियों से प्रतियोगिता में शामिल होकर नन्हे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने का आह्वान किया है।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत गुड टच-बैड टच, शिकायत प्रक्रिया और बाल अधिकारों पर हुई चर्चा

गरीब दर्शन/झज्जर

बच्चों को शोषण और यौन अपराधों से बचाने तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झज्जर की ओर से गुरुवार को सुरक्षित बचपन अभियान के तहत शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संवाद भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के करीब 172 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विशाल के निर्देशानुसार किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अधिवक्ता दीपक गहलोत ने पॉक्सो अधिनियम-2012 के प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों, गुड टच-बैड टच और बच्चों के व्यवहार में होने वाले असामान्य बदलावों की पहचान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी बच्चे के साथ दुर्व्यवहार की आशंका होने पर शिकायत कैसे दर्ज कराई जाए। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन नंबर 112 और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर 15100 की जानकारी दी। बाल कल्याण समिति के सदस्य अधिवक्ता पंकज शर्मा ने समिति की भूमिका बताते हुए कहा कि अनाथ, बेसहारा, शोषण के शिकार और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों की सहायता करना समिति की जिम्मेदारी है। समिति ऐसे बच्चों के पुनर्वास, काउंसलिंग, आश्रय, शिक्षा और कानूनी सहायता की व्यवस्था करती है। उन्होंने शिक्षकों से ऐसे मामलों की सूचना तत्काल समिति को देने की अपील की। प्रशिक्षण में शिक्षकों को बताया गया कि किसी बच्चे के साथ अप्रिय घटना होने पर उसकी बात संवेदनशीलता से सुनें, उसे विश्वास में लें और संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचना दें। इस अवसर पर सचिव विशाल ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चे अक्सर अपनी परेशानी सबसे पहले शिक्षक के सामने रखते हैं। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को पॉक्सो कानून और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों की जानकारी होनी चाहिए। कार्यक्रम में सिविल जज जूनियर डिवीजन आदित्य वर्मा, पैनल अधिवक्ता मंजीत दलाल, उप शिक्षा अधिकारी रूपेंद्र नांदल, लीगल लिटरेसी कोऑर्डिनेटर कृष्ण वशिष्ठ, पैरा लीगल वॉलंटियर कर्मजीत छिल्लर सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे।

चोरों का आतंकः छठ पर्व पर घर बंद कर जाना पड़ा महंगा, अज्ञात चोरों ने दो घरों को बनाया निशाना

गरीब दर्शन /कुदरा/ कैमूर



कैमूर जिले के कुदरा थाना क्षेत्र अंतर्गत लालापुर पुरानी गांव के वार्ड संख्या-1 में अज्ञात चोरों ने दो बंद घरों को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों मकान मालिक छठ महापर्व के अवसर पर अपने परिवार के यहां गए हुए थे। इसी दौरान रात्रि में अज्ञात चोरों ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद चोरों ने घर के सभी कमरों के ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। हालांकि, दोनों परिवारों के सदस्य अभी तक घर नहीं लौटे हैं। इस कारण चोरी गए सामान और संपत्ति के नुकसान का आकलन नहीं हो सका है। परिवार के सदस्यों के वापस लौटने के बाद ही चोरी की वास्तविक स्थिति और नुकसान का पता चल पाएगा। घटना की सूचना मिलने पर कुदरा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पहले भी चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अब तक उनका खुलासा नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से गांव में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने, रात्रि गश्ती बढ़ाने और पूर्व में हुई चोरी की घटनाओं का जल्द खुलासा करने की मांग की है।

सीहा में राव चुन्नीलाल बोहरा की स्मृति में ई-पुस्तकालय शुरू, 110 प्रतिभाओं का सम्मान

गरीब दर्शन/रेवाड़ी



▪ 25 मेधावी विद्यार्थियों, 15 प्रतिभाओं, 60 पूर्व सैनिकों और 10 शिक्षकों को किया सम्मानित

हरियाणा के ऐतिहासिक गांव सीहा में शिक्षा और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने की पहल के तहत प्रसिद्ध समाजसेवी एवं शिक्षाप्रेमी राव चुन्नीलाल बोहरा की स्मृति में स्थापित ई-पुस्तकालय का लोकार्पण किया गया। ग्रामीण उत्थान–भारत निर्माण संस्था के सहयोग से आयोजित समारोह में कोसली विधायक अनिल यादव और संस्था के संस्थापक मेजर (डॉ.) टी.सी. राव ने पुस्तकालय का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रतिभा प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह भी आयोजित हुआ। समारोह में विभिन्न परीक्षाओं में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले 25 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। आईआईटी, एमबीबीएस, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली 15 प्रतिभाओं के साथ 60 पूर्व सैनिकों, 10 शिक्षकों और समाजसेवियों को भी सम्मान प्रदान किया गया। विधायक अनिल यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध कराना युवाओं के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। ई-पुस्तकालय से गांव के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिलेगी। उन्होंने गांव के विकास कार्यों में सहयोग का भरोसा भी दिया। संस्था के संस्थापक मेजर (डॉ.) टी.सी. राव ने बताया कि पुस्तकालय में दो कमरों में 60 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। यहां एसी, वाई-फाई, पुस्तकें और स्टेशनरी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ नियमित संचालन पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन और निरंतर मेहनत के साथ लक्ष्य हासिल करने की अपील की। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले वर्ष तक यहां पढ़ने वाले 15 से 20 युवा सरकारी नौकरी पाने में सफल होंगे। इस अवसर पर डॉ. टी.सी. राव की लिखित पुस्तकों 'रोजगार मंत्र' और 'टॉपर बनने की कला' का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में महंत स्वामी नरोत्तमदास महाराज, सरपंच सरिता यादव, नरेश भारद्वाज, सत्यवीर नाहड़िया सहित जनप्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थी और ग्रामीण मौजूद रहे।

लोकनृत्य और नुक्कड़ नाटक से सजा युवा महोत्सव, 360 प्रतिभागियों ने दिखाया हुनर

▪ नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत थीम पर दो दिवसीय आयोजन, डीसी ने युवाओं को किया प्रोत्साहित

गरीब दर्शन/झज्जर



राजकीय नेहरू पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम में गुरुवार को दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा महोत्सव-2026 का शुभारंभ हुआ। डीसी वर्षा खांगवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। महोत्सव में करीब 360 प्रतिभागियों ने लोक संस्कृति, कला और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस वर्ष महोत्सव की थीम 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' रखी गई है। इस अवसर पर डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उनमें प्रतिभा, ऊर्जा और रचनात्मक क्षमता की कोई कमी नहीं है। ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने के साथ सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर देते हैं। उन्होंने युवाओं से शिक्षा के साथ सांस्कृतिक, सामाजिक और रचनात्मक गतिविधियों में भी भाग लेने की अपील की। डीसी ने कहा कि नशे से दूर रहकर युवा अपनी ऊर्जा का उपयोग सकारात्मक कार्यों में करें। नशामुक्त और जागरूक युवा ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। महोत्सव के पहले दिन समूह लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग और कविता लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। नोडल अधिकारी एवं आईटीआई प्रधानाचार्य संदीप कुमार अहलावत ने बताया कि जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। शुक्रवार को समूह लोकगीत और लोक वाद्य यंत्र प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इसके बाद विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्य डॉ. दलबीर सिंह, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, माई भारत केंद्र के उपनिदेशक अर्शदीप, आईटीआई बहादुरगढ़ की प्राचार्या मायामन्ती, हरियाणवी कलाकार जोगेंद्र कुंडू सहित निर्णायक मंडल के सदस्य और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रबी फसल खरीद की तैयारी में जुटा प्रशासन, डीसी ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

गेहूं-सरसों की खरीद से पहले भंडारण, उठान और एग्रीस्टैक पंजीकरण पर रहेगा जोर

गरीब दर्शन/झज्जर



आगामी रबी सीजन में किसानों को फसल बेचने में परेशानी न हो, इसके लिए झज्जर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। डीसी वर्षा खांगवाल ने गुरुवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर खरीद व्यवस्था की समीक्षा की और समय रहते विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गेहूं, सरसों सहित अन्य रबी फसलों की सरकारी खरीद सुचारू और पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित की जाए। डीसी ने मुख्य सचिव, हरियाणा के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मिले निर्देशों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को उनका पालन करने को कहा। बैठक में जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक आदित्य कौशिक ने खरीफ और रबी सीजन की फसल खरीद तथा उससे जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी दी। डीसी ने किसानों की एग्रीस्टैक फार्मर आईडी बनवाने और फसल सत्यापन की प्रक्रिया जल्द पूरी कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने अभी तक आईडी नहीं बनवाई है, उन्हें जागरूक कर पंजीकरण में तेजी लाई जाए। इससे किसानों को अपनी उपज का पंजीकरण कराने और सरकारी खरीद का लाभ लेने में सुविधा होगी। बैठक में मंडियों में फसल की सफाई, खरीदी गई उपज के समय पर उठान और भंडारण क्षमता से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा हुई। डीसी ने निर्देश दिया कि खरीद केंद्रों पर पर्याप्त भंडारण व्यवस्था रखी जाए तथा उठान में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से काम करें। उन्होंने गेहूं की बिजाई के रकबे और संभावित उत्पादन का आकलन कर उसी के अनुरूप खरीद केंद्रों, परिवहन और भंडारण की योजना तैयार करने को कहा। डीसी ने स्पष्ट किया कि सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों के अनुसार समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि मंडियों में किसानों को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। बैठक में एसडीएम झज्जर रवि मीणा, एसडीएम बहादुरगढ़ अभिनव सिवाच, एसडीएम बेरी रेणुका नांदल, एसडीएम बादली विशाल कुमार, जिला राजस्व अधिकारी मनवीर सिंह सांगवान, डीएफएससी आदित्य कौशिक सहित कृषि, मार्केट कमेटी, हैफेड और वेयरहाउस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कायाकल्प अभियान के कार्यों में तेजी लाएं सभी विभाग, आपसी समन्वय के साथ करें कार्य : डीएम

♦ जिलाधिकारी ने की विभागवार एवं प्रखंडवार कार्यों की समीक्षा, कम प्रगति वाले प्रखंडों को दी सख्त हिदायत

गरीब दर्शन / सीतामढ़ी

जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित परिचर्चा भवन में कायाकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रखंड स्तर पर कायाकल्प अभियान के तहत संचालित योजनाओं का ठोस एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। इसके लिए आईसीडीएस, शिक्षा, कल्याण, पंचायती राज, स्वास्थ्य सहित सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागों के बीच समन्वय की कमी को गंभीरता से लिया जाएगा।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी विभाग अपने निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों में तेजी लाएं तथा निर्धारित विशिष्टियों एवं गुणवत्ता मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें। साथ ही, अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की पोर्टल पर ससमय प्रविष्टि करना भी सुनिश्चित करें। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की प्रखंडवार समीक्षा की गई। इस दौरान जानकारी दी गई कि कायाकल्प अभियान के अंतर्गत कुल 10,386 नई योजनाएं ली गई हैं। कम प्रगति वाले प्रखंडों के पदाधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कार्यों में अपेक्षित तेजी लाने का निर्देश दिया गया। बैठक में सभी 258 पंचायतों में नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा विद्यालयों में आंगनबाड़ी केंद्रों की शिफ्टिंग के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया। इस संबंध में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आईसीडीएस विभाग को विशेष रूप से निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि कायाकल्प अभियान का उद्देश्य सरकारी संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण एवं बेहतर कार्य वातावरण सुनिश्चित करना है। अतः सभी पदाधिकारी पूरी प्रतिबद्धता के साथ निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कराएं। बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती श्वेता भारती, एडीएम (आपदा प्रबंधन) बृजकिशोर पांडेय, सिविल सर्जन डॉ. आर.के. यादव, डीपीआरओ कमल सिंह सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी बीडीओ, पीओ, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी एवं सीडीपीओ उपस्थित थे।

इंदिरा गांधी जयंती पर कांग्रेसजनों ने किया माल्यार्पण

गरीब दर्शन /कटिहार

पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय इंदिरा गांधी जी की जयंती के अवसर पर गुरुवार को कांग्रेसजनों ने जिला समाहरणालय के समक्ष स्थित इंदिरा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान इंदिरा गांधी पार्क स्थित प्रतिमा की उपेक्षित स्थिति को लेकर कांग्रेसजनों ने प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई। प्रतिमा के आसपास गंदगी जमा थी। कांग्रेसजनों ने पहले स्वयं पानी से प्रतिमा को धोकर साफ किया और इसके बाद माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेसजनों ने कहा कि पूर्व में जिला प्रशासन की ओर से इंदिरा गांधी जी की जयंती पर प्रतिमा स्थल पर विधिवत कार्यक्रम आयोजित किया जाता था, लेकिन इस बार प्रशासन की ओर से कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया। प्रतिमा की साफ-सफाई तक नहीं कराई गई। कांग्रेसजनों ने इसे प्रशासनिक उदासीनता बताते हुए सवाल उठाया कि देश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न जैसी महान विभूति की प्रतिमा के प्रति इस तरह की उपेक्षा क्यों की गई। कार्यक्रम की अगुवाई निवर्तमान जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रेम राय ने की। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष रहे सौरभ कुमार, जिला कांग्रेस महासचिव मसरूर आलम, गौरव कुमार एवं मोहम्मद नईम अंसारी सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय चुनावी प्रक्रिया हैं अत्यंत आवश्यक : मंत्री

गरीब दर्शन / सीतामढ़ी

भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित ' लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ ' अभियान के तहत श्री राधा कृष्ण गोयनका महाविद्यालय, सीतामढ़ी में प्रमुख नागरिक संगोष्ठी सह जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के खान एवं भूतत्व तथा कला एवं संस्कृति मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा सीतामढ़ी जिलाध्यक्ष मनीष कुमार गुप्ता ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय चुनावी प्रक्रिया अत्यंत आवश्यक है। भारत का लोकतंत्र दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में से एक है। इसकी संवैधानिक संस्थाओं और चुनावी व्यवस्था पर जनता का विश्वास बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है। इस प्रक्रिया को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों और लगाए जा रहे आरोपों पर तथ्यात्मक चर्चा होनी चाहिए। चुनावी प्रक्रिया को लेकर भ्रम फैलाने के बजाय लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास मजबूत करने की



आवश्यकता है। मंत्री ने आगे कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान, नागरिकों की भागीदारी और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन भी शामिल है। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन चुनावी व्यवस्था से जुड़े विषयों पर चर्चा तथ्यों और संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर होनी चाहिए। कार्यक्रम के माध्यम से भाजपा ने एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों का जवाब देने तथा चुनावी प्रक्रिया को लेकर पार्टी का पक्ष प्रबुद्ध नागरिकों के समक्ष रखने का प्रयास किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष श्री मनीष कुमार गुप्ता

▪ लोकतंत्र बचाओ - अराजकता हटाओ अभियान के तहत सीतामढ़ी में प्रमुख नागरिक संगोष्ठी आयोजित

जी ने उपस्थित प्रबुद्ध नागरिकों एवं गणमान्य लोगों से लोकतांत्रिक संस्थाओं, संवैधानिक व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विषयों पर जागरूक एवं तथ्यपरक संवाद में भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री चुनचुन सिंह जी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री श्री संदीप राय जी ने किया। इस अवसर पर रीगा विधानसभा के विधायक बैद्यनाथ प्रसाद, पूर्व विधायक मिथिलेश कुमार, पूर्व विधायक श्रीमती नगीना देवी, पूर्व विधायक रामनरेश यादव, पूर्व सांसद अर्जुन राय, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती संगीता सिंह जी, उमेशचंद्र झा, विमल शुक्ला, आशुतोष शंकर सिंह, गोयनका महाविद्यालय के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश राय, भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोज वत्स भाजपा आई टी के उमेश गिरी,रमण कुमार श्रीवास्तव मीडिया प्रभारी सह जिला प्रवक्ता सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जिले के अनेक प्रमुख नागरिक और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था, चुनावी प्रक्रिया और समसामयिक राजनीतिक विषयों पर अपने विचार भी साझा किए।

अवैध शराब पर अब व्हाट्सएप से होगा वार एक मैसेज पर होगी कार्रवाई

गरीब दर्शन / शिवहर

जिले में अवैध शराब के कारोबार पर पूरी तरह से लगाम लगाने के लिए मद्यनिषेध विभाग ने अब जनता को सीधे अपने साथ जोड़ने की बड़ी पहल शुरू की है। अब किसी को भी शिकायत के लिए कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, बल्कि घर बैठे सिर्फ एक व्हाट्सएप मैसेज से अवैध शराब के कारोबारियों पर कार्रवाई हो जाएगी। विभाग ने इसके लिए एक्साइज हेल्प डेस्क और QR कोड जारी किया है, जो जिले में नशे के खिलाफ लड़ाई को और मजबूत करेगा। मद्यनिषेध विभाग, बिहार की इस नई व्यवस्था के तहत लोग शराब की तस्करी, बिक्री, निर्माण, भंडारण और सेवन की सूचना सीधे व्हाट्सएप नंबर 9473400600 पर भेज सकेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी, ताकि लोग बिना किसी डर और दबाव के सामने आकर सूचना दे सकें। विभाग को उम्मीद है कि जनता के इस सहयोग से गली-मोहल्लों में छिपकर चल रहे अवैध शराब के अड्डे जल्द ही बंद हो जाएंगे। इसके साथ ही विभाग ने लोगों को नशे से दूर रहने के लिए ऑनलाइन नशा मुक्ति की शपथ लेने की भी सुविधा दी है। QR कोड को स्कैन करते ही कोई भी व्यक्ति नशा मुक्ति की शपथ लेकर इस अभियान से जुड़ सकता है। इस संबंध में अधीक्षक मद्य निषेध श्री शशांक ने बताया कि जिले को पूर्ण रूप से नशामुक्त बनाना ही विभाग का सबसे बड़ा लक्ष्य है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि अगर कहीं भी अवैध शराब का कारोबार होता दिखे तो उसकी सूचना तुरंत व्हाट्सएप पर दें, विभाग तुरंत और सख्त कार्रवाई करेगा।

श्री उग्रतारा महोत्सव का मंत्री रत्नेश सादा और विधायक संजय कुमार सिंह ने किया उद्घाटन

21 नवंबर तक तीन दिवसीय आयोजन में संगीत, लोककला और साहित्य-संस्कृति का होगा संगम

गरीब दर्शन/सहरसा

मिथिला की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से महिषी के राजकमल क्रीड़ा मैदान में गुरुवार को तीन दिवसीय श्री उग्रतारा सांस्कृतिक महोत्सव का शुभारंभ हुआ। पर्यटन विभाग, बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह महोत्सव 19 से 21 नवंबर तक चलेगा। बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सादा और सिमरी बख्तियारपुर के विधायक संजय कुमार सिंह ने अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कोसी क्षेत्र के डीआईजी डॉ. कुमार आशीष, अपर समाहर्ता निशांत,



डीपीआरओ राजीव कुमार, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा झा, सुधीर पटेल, जिला व्यापार संघ के जिलाध्यक्ष अर्जुन चौधरी, उग्रतारा न्यास मंदिर के सचिव केशव चौधरी, संतोष कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। स्थानीय पंडितों और आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं स्वस्ति वाचन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। वहीं, किलकारी की बच्चियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अतिथियों को पाग और चादर देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सांस्कृतिक पत्रिका 'धरोहर' का भी आयोजन किया गया। स्वागत संबोधन में अपर समाहर्ता निशांत ने जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा झा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि तीन दिवसीय महोत्सव में संगीत, हास्य, लोककला, साहित्य और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। महोत्सव के पहले दिन इंडियन आइडल फेम पार्थो घोष और मोनालिसा ने अपनी संगीत प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। आयोजन की विशेषता यह है कि तीनों दिनों स्थानीय कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया जा रहा है। जिले के लोक कलाकार, संगीतकार और सांस्कृतिक प्रतिभाएं अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध लोक परंपरा और सांस्कृतिक पहचान को मंच प्रदान कर रहे हैं। यह महोत्सव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि मिथिला की सांस्कृतिक चेतना, लोक परंपरा, आध्यात्मिक विरासत और ज्ञान-विज्ञान की परंपरा को एक मंच पर लाने का प्रयास है। तीन दिनों तक महिषी संगीत, कला, हास्य और साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधियों से गुलजार रहेगा। आयोजन से सहरसा जिले को पर्यटन एवं सांस्कृतिक मानचित्र पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

रजौली विधानसभा क्षेत्र के चटकरी और विलारपुर गांव को मिली बड़ी सौगात, डिजिटल भारत निधि के तहत 4G सैचुरेशन मोबाइल परियोजना को मिली मंजूरी

गरीब दर्शन / रजौली

रजौली विधानसभा क्षेत्र के चटकरी और विलारपुर गांवों के दिन अब डिजिटल रूप से बदलने वाले हैं, क्योंकि इन दोनों गांवों में लंबे समय से चली आ रही मोबाइल नेटवर्क की गंभीर समस्या का अब हमेशा के लिए समाधान हो गया है। स्थानीय विधायक विमल राजवंशी द्वारा इस गंभीर मुद्दे को लेकर किए गए निरंतर पत्राचार और प्रयासों के बाद केंद्र सरकार ने त्वरित संज्ञान लिया है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया और माननीय सांसद नवादा विवेक ठाकुर के सकारात्मक सहयोग से इन दोनों गांवों को 'डिजिटल भारत निधि के तहत वित्तपोषित 4G सैचुरेशन मोबाइल परियोजना के अंतर्गत आधिकारिक रूप से स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण निर्णय से क्षेत्र के चटकरी और विलारपुर गांवों



चटकरी के ग्रामीणों को संबोधित करते विधायक (फाइल फोटो)

में अत्याधुनिक और मजबूत डिजिटल कनेक्टिविटी का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

विदित हो कि रजौली विधानसभा क्षेत्र के इन ग्रामीण इलाकों में नेटवर्क की सुगम व्यवस्था न होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को दैनिक जीवन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, बैंकिंग, ऑनलाइन कार्यों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में भारी कठिनाइयों और असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। विधायक विमल राजवंशी ने इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए पहले बीएसएनएल के महाप्रबंधक को पत्र लिखकर तकनीकी सर्वेक्षण कराने और मोबाइल टॉवर स्थापित करने का आग्रह किया था, जिसके उपरांत माननीय सांसद विवेक ठाकुर के माध्यम से यह मामला केंद्रीय संचार मंत्रालय तक पहुंचा। केंद्रीय

❐ रजौली ग्रामीण क्षेत्रों में अब मजबूत होगी डिजिटल कनेक्टिविटी, लंबे समय से चली आ रही मोबाइल नेटवर्क की समस्या का हुआ समाधान

मंत्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया द्वारा इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मंजूरी प्रदान किए जाने से क्षेत्रवासियों में भारी हर्ष का माहौल है। इस जनहितैषी और दूरदर्शी निर्णय के पूरा होने से न केवल ग्रामीणों का जीवन सुगम बनेगा, बल्कि डिजिटल इंडिया के सपने को इन सुदूर ग्रामीण अंचलों तक पहुंचने में भी बल मिलेगा। इस सौगात के मिलने पर स्थानीय नागरिकों ने केंद्र सरकार, राज्य सरकार और सभी संबंधित जनप्रतिनिधियों के प्रति अपना हृदय से आभार व्यक्त किया है।

रजौली अनुमंडल के खनपुरा में 5 किमी मिनी मैराथन दौड़ प्रतियोगिता आयोजित, विजेताओं को मिला सम्मान

गरीब दर्शन / रजौली

रजौली अनुमंडल क्षेत्र के सिरदला प्रखंड क्षेत्र के खनपुरा गांव में 5 किलोमीटर मिनी मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन सीआरपीएफ जवान चंदन कुमार के द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और धावकों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में रजौली के डीसीएलआर कैसर इमाम मौजूद रहे जिन्होंने फीता काटकर आयोजन में सहभागिता की, वहीं विशिष्ट व अन्य अतिथियों में जिला प्रवक्ता भाजपा रंजन कुमार बबलू, राजद नेत्री पिंकी भारती तथा रजौली नगर पंचायत के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद चंद्रवंशी, खनपुरा पंचायत के मुखिया अजय राजवंशी, उप मुखिया सुंदर यादव, पंचायत समिति सदस्य



प्रशस्ति पत्र के साथ सफल अभ्यर्थी

दीपक कुमार,ग्रामीण चिकित्सक अरुण प्रसाद के साथ ग्रामीण कौशल कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने युवाओं को खेल और फिटनेस के प्रति प्रेरित करते हुए सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दौड़ प्रतियोगिता में खनपुरा के करण कुमार पिता प्रीतम राम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि इसी गांव के विक्रम कुमार पिता जानकी राजवंशी दूसरे और राजा कुमार पिता सुधीर राजवंशी तीसरे स्थान पर रहे।

प्रतियोगिता के शीर्ष तीन विजेताओं को ट्रॉफी तथा मुखिया के हस्ताक्षर युक्त पंचायती स्तर के प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा शीर्ष 20

▪ करण कुमार ने मारी बाजी, विक्रम व राजा रहे दूसरे व तीसरे स्थान पर, अतिथियों व आयोजकों ने बढ़ाया प्रतिभागियों का उत्साह

धावकों में शामिल अरुण, नितीश कुमार, मंटू कुमार यादव, प्रमोद कुमार, रमेश, अरुण, अक्षय, मंटू, रौशन पासवान, विपिन कुमार, मुकेश कुमार, सन्टू, हरिनन्दन, राहुल, नितीश कुमार, प्रवीण कुमार और गुलशन को सांत्वना स्वरूप मेडल व प्रमाणपत्र प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया गया।गांव के आम जनों व जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है, साथ ही अतिथियों ने आयोजक सीआरपीएफ जवान की जमकर सराहना की।

स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जिलाधिकारी ने की समीक्षा, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीबी स्क्रीनिंग एवं परिवार नियोजन कार्यक्रम को प्रभावी बनाने का दिया निर्देश

गरीब दर्शन / नवादा

नवादा जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में डीआरडीए सभागार में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य संस्थानों की आधारभूत संरचना, स्वच्छता, दवाओं की उपलब्धता, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, रोगों की स्क्रीनिंग, रेफरल व्यवस्था एवं विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी गर्भवती महिलाओं की नियमित प्रसव पूर्व जांच (ANC) सुनिश्चित कराई जाए। प्रथम प्रसव पूर्व जांच के दौरान एचआईवी एवं सिफलिस की अनिवार्य जांच कराने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने प्रसव कक्षों में स्वच्छता एवं आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता बनाए रखने तथा नियमित निरीक्षण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश सभी एमओआईसी को दिया। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि रजौली अनुमंडलीय अस्पताल में रात्रि के दौरान भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या का पोर्टल पर अंकन अपेक्षाकृत सबसे कम है। इस पर जिला पदाधिकारी ने अस्पताल उपाधीक्षक, रजौली को निर्देश दिया कि रात्रि में भर्ती होने वाले सभी मरीजों का विवरण अनिवार्य रूप से संबंधित पोर्टल पर अपलोड किया जाए, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित आंकड़ों का सही एवं अद्यतन संधारण हो सके। इसके अतिरिक्त, जननी पोर्टल पर स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं (Health Service Providers) से संबंधित प्रविष्टियों की



संख्या भी कम पाई गई। इस पर जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी जीएनएम द्वारा आवश्यक आंकड़ों एवं सूचनाओं की प्रविष्टि जननी पोर्टल पर समयबद्ध एवं नियमित रूप से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी रेफरल अस्पतालों में सुरक्षा, साफ-सफाई एवं आवश्यक सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए डीपीएम स्वास्थ्य को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही, स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नियमित मॉनिटरिंग, समयबद्ध कार्रवाई एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया।

बैठक में संचारी रोग पदाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जिले के विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ओपीडी के दौरान टीबी (क्षय रोग) मरीजों की नियमित स्क्रीनिंग नहीं की जा रही है, जिसके कारण संभावित टीबी मरीजों की समय पर पहचान नहीं हो पा रही है। समीक्षा के क्रम में रोह, कौआकोल, वारिसलीगंज, सिरदला, पकरीबरावां एवं अकबरपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में टीबी स्क्रीनिंग की स्थिति सबसे कम पाई गई। इस पर जिला पदाधिकारी ने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों (एमओआईसी) को सख्त निर्देश दिया कि अपने-अपने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ओपीडी के दौरान आने वाले मरीजों की निर्धारित मानकों के अनुरूप टीबी स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि टीबी के संभावित मरीजों की समय पर पहचान, जांच एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बैठक में परिवार नियोजन कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। पुरुष नसबंदी पखवाड़ा (NSV Fortnight) के सफल आयोजन एवं परिवार नियोजन कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय समीक्षा एवं कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। आगामी NSV पखवाड़ा (07 से 19 दिसंबर 2026) के लिए निर्धारित लक्ष्य एवं Eligible Couple Listing (ELA) पर चर्चा की गई।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी एवं संपादक विकाश कुमार राय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड नियर वंश हॉस्पिटल, दरभंगा रोड (पटियासा), मुजफ्फरपुर, बिहार , पिन कोड - 843103 से मुद्रित तथा ग्राम + पोस्ट - भादा , वार्ड नं - 04 , कपिलदेव राय टोला , थाना - हरसिद्धि, पूर्वी चंपारण , बिहार , पिन कोड - 845417 से प्रकाशित , संपादक - विकाश कुमार राय , मोबाइल / ह्वाट्सप नं - 9155827409, RNI NO - BIHHIN/2021/80713, संस्थापक सह मुख्य संपादक : रितु रंजन कुमार , प्रधान संपादक : सुभाष पाण्डेय , प्रबंध संपादक : दिग्विजय भारद्वाज। नोट : इस समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के कानूनी विवादों का न्याय क्षेत्र मोतिहारी होगा तथा उनका निपटारा व्यवहार न्यायालय, मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) के न्यायिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत किया जाएगा। इस अंक में प्रकाशित लेख, समाचार, विचार एवं टिप्पणियों से संपादक अथवा प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्रकाशित समाचारों एवं लेखों की सत्यता, तथ्यात्मकता तथा उनमें व्यक्त विचारों की संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित लेखक / संवाददाता की होगी। इस समाचार पत्र में कार्यरत सभी पद पूर्णतः अवैतनिक हैं।